संस्करण ● नई दिल्ली ● पानीपत (हरियाणा) ● चण्डीगढ़ ●लखनऊ ● भोपाल (मध्य प्रदेश) ●हल्द्वानी नैनीताल ● देहरादून (उत्तराखण्ड) से एक साथ प्रकाशित... www.publicasia.in

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें

पब्लिक एशिया

@publicasia1989 @publicasiaofficial @publicasia e-mail: publicasia1989@gmail.com

वर्ष : 15, अंक : 252 पृष्ठ : 04, पानीपत, बुधवार 23 अक्टूबर 2024, मूल्य : 2 रूपये RNI No.- HARHIN/2011/40057

ब्रिक्स शिखर बैठक; मोदी ने पुतिन के साथ की वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा

एजेंसी

कजान » प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के बीच 16 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व यहां यूक्रेन-रूस संघर्ष सहित वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य पर गहन विचार मंत्रणा हुई। श्री मोदी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मंगलवार दोपहर को रूस के कजान पहुंचे जहां उनकी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक हुई। श्री मोदी का हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल के आतिथ्य और सत्कार के लिए रूसी राष्ट्रपति का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

श्री मोदी ने मेज़बान रूस के राष्ट्रपति के साथ बैठक के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति पुतिन के साथ यहां बहुत अच्छी मुलाक़ात हुयी। भारत और रूस के बीच सम्बन्ध बहुत गहरे हैं, हमारी बातचीत इस बात पर केंद्रित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को रूस के कज़ान में रूसी संघ के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करते हुए।

थी कि विभिन्न क्षेत्रों में हमारी द्विपक्षीय भागीदारी को और सशक्त कैसे किया जाये। श्री मोदी ने आज यहां श्री पुतिन से द्विपक्षीय बातचीत की, जिसमें दोनों देशों की विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी को और मज़बूत बनाने पर चर्चा की गयी।

प्रधानमत्री ने कहा, 'महानुभाव, मैं गर्मजोशी भरे आतिथ्य और सत्कार के लिए आपका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। मेरे लिये खुशी की बात है कि कजान जैसे खूबसूरत शहर में आने का अवसर मिला है। इस शहर के साथ तथ्य गहरे और ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। कजान में भारत के नये वाणिज्य दूतावास के खुलने से यह संबंध और मजबूत होंगे।' श्री मोदी ने कहा, 'पिछले तीन महीनों में मेरा दो बार रूस आने हमारे करीबी समन्वय और गहरी मित्रता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जुलाई में मॉस्को में हुई वार्षिक शिखर सम्मेलन से हर क्षेत्र में हमारे सहयोग को बल मिला है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में ब्रिक्स की सफल अध्यक्षता के लिए मैं आपकों बधाई देता हूं। पंद्रह वर्षों में ब्रिक्स ने अपने विशेष पहचान बनायी है और अब विश्व के अनेक देश इससे जुड़ना चाहते हैं। मैं ब्रिक्स समिट में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष पर हम लगातार एक दूसरे के संपर्क में रहे। उन्होंने कहा, 'जैसा मैने पहले भी कहा है हमारा मानना है कि समस्याओं का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से ही होना चाहिये।' उन्होंने कहा कि शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली का हम पूरी तरह से समर्थन करते हैं। हमारे सभी प्रयास मानवता को प्रमुखता देते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी भारत हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार है। एक्सलेंसी आज इन सभी चीजों पर विचार साझा करने का एक और महत्वपूर्ण अवसर है।

मोदी शी जिनपिंग द्विपक्षीय मुलाकात कल होगी

कज़ान (रूस) » प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की रूस यात्रा के पहले दिन की गतिविधियों की जानकारी देने के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। दोनों नेताओं के बीच करीब पौने पांच साल बाद द्विपक्षीय बैठक होगी। श्री मिस्री ने इस बारे में सवाल पूछे जाने पर कहा, जहां तक द्विपक्षीय मुलाकात का सवाल है तो मैं पुष्टि कर सकता हूं कि कल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय मुलाकात होगी। भारत एवं चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त को लेकर बनी सहमति के बारे में कुछ सवालों के जवाब में विदेश सचिव ने कहा कि दोनों देशों के बीच एलएसी पर गश्त की व्यवस्था को लेकर कुछ सवाल रह गये थे। दो साल से बातचीत के बाद पेट्रोलिंग और ग्रेजिंग पर 2020 की स्थिति बहाल हो गई है। जहां तक पिछले समझौतों की बात है उसे हमने फिर से खोला नहीं। हमारी बातचीत लंबित मुद्दों पर केन्द्रित रही।

नई दिल्ली में मंगलवार को केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य और विद्युत मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी।

'आप' ने दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को निकालने की निंदा की

एजेंसी/नई दिल्ली » आम आदमी पार्टी (आप)ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा आदेश पारित करके दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को बर्खास्त करने के फैसले की कड़ी निंदा की है। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद कजेरीवाल ने 'एक्स' पर कहा, 'मेरी जिन बहनों को दिल्ली महिला आयोग से निकला गया है, मैं उन्हें भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें उनकी नौकरी वापस दिलवाऊंगा, चाहे इसके लिए कुछ भी करना पड़े।' दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जिस तरह दिवाली से पहले सैकड़ों लोगों के घर उजाड़े और उनकी नौकरियां छीनी हैं, यह भाजपा द्वारा किया गया बड़ा पाप है। भाजपा अपने भाषणों और घोषणापत्र में नौकरियां देने की बात करती है, लेकिन 30-30 साल से संविदा पर काम कर रहे लोगों नौकरियों से निकल देना बेहद शर्मनाक और अमानवीय है।

मौसम

दिल्ली/एनसीआर

अधिकतम ता. 33.0°C | न्यूनतम ता. 21.0°C

संक्षिप्त समाचार

पंजाब, मेघालय के उपचुनावों के लिए भाजपा के उम्मीदवार घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली » भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मेघालय और पंजाब की चार विधानसभा सीटों के उप चुनाव के लिए मंगलवार को अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति ने आगामी मेघालय और पंजाब के विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। श्री सिंह ने कहा कि मेघालय विधानसभा में गाम्बेग्रे (अजजा) सीट से श्री बर्नार्ड मारक तथा पंजाब विधानसभा के लिए डेरा बाबा नानक से सरदार रविकरण कहलों, गिद्दरबाहा से सरदार मनप्रीत बादल और बरनाला सरदार केवल सिंह ढिल्लों को टिकट दिया गया है।

बजरंग पूनिया बने किसान कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली » कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी में शामिल हुए पहलवान बजरंग पूनिया को किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है और कहा है कि पार्टी ने हमेशा अन्नदाता को महत्व दिया है उम्मीद जताई कि श्री पुनिया युवा शक्ति को जोड़कर किसान कांग्रेस को मजबूती प्रदान करेंगे। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी वीरेंद्र सिंह, किसान कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुखपाल खैरा तथा हाल में कांग्रेस में शामिल हुई विनेश फोगाट की मौजूदगी में श्री पुनिया को यहां पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान किसान कांग्रेस की जिम्मेदारी सौंप गई। सुश्री सैलजा ने इस मौके पर कहा कि पार्टी ने श्री पूनिया को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है और उन्हें उम्मीद है कि श्री पूनिया किसान कांग्रेस की मजबूती के लिए श्री खैर के साथ सहयोग करेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान किए

एजेंसी

नई दिल्ली » राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को यहां पांचवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान किये। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि पानी हर व्यक्ति की बुनियादी आवश्यकता और मौलिक मानव अधिकार है और सभी के लिए स्वच्छ जल सुनिश्चित किए बिना स्वच्छ और समृद्ध समाज का निर्माण नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जल की उपलब्धता और इसकी स्वच्छता में कमी से सुविधाहीन लोगों के स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और आजीविका पर अधिक असर पड़ता है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि पृथ्वी पर सीमित मात्रा में जल संसाधन की उपलब्धता के सर्वविदित तथ्य के बाद भी हम जल संरक्षण और इसके प्रबंधन पर ध्यान नहीं देते। मानवीय उपेक्षा से ये संसाधन प्रदूषित और समाप्त हो रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि अच्छी बात है कि केन्द्र सरकार ने जल संरक्षण और जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि जल संरक्षण हमारी परंपरा रही है। हमारे पूर्वज गांवों के पास ही तालाब बनवाते थे। वे मंदिरों या उनके पास जलाशय बनवाते थे ताकि पानी की कमी होने पर संग्रहित जल का उपयोग किया जा सके। दुर्भाग्यवश हम अपने पूर्वजों की विवेकपूर्ण समझ को भुला रहे हैं। कुछ लोगों ने निजी स्वार्थवश जलाशयों का अतिक्रमण कर

लिया है। इससे सूखे की स्थिति में पानी की उपलब्धता प्रभावित होती है और अत्यधिक बारिश होने पर बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

श्रीमती मुर्मु ने ज़ोर देकर कहा कि जल संसाधनों का संरक्षण और संवर्द्धन सभी का सामूहिक दायित्व है और हमारी सक्रिय भागीदारी के बिना देश को जल-सुरक्षा संपन्न बनाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हम अपने छोटे प्रयासों से भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उदाहरण स्वरूप हम अपने घरों के नल खुले न छोडें, ध्यान रखें कि ओवरहेड वॉटर टैंक से पानी भर कर बेकार न जाए, घरों में जल संचयन की व्यवस्था हो और पारंपरिक जलाशयों का सामूहिक रूप से जीर्णोद्धार किया जाए।

राष्ट्रपति ने कहा कि जल संसाधनों के प्रति प्रासंगिक दृष्टिकोण और इसके संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में राष्ट्रीय जल पुरस्कार दिया जाना सराहनीय कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जल संरक्षण के लिए सम्मानित किए जाने वाले लोगों और इस आयोजन से 'सर्वश्रेष्ठ प्रचलन' के उपाय लोगों तक पहुंचेंगे।

प्रदूषण के कारण सार्वजनिक परिवहन के फेरों में बढ़ोत्तरी

एजेंसी

नई दिल्ली » दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को कहा कि राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सार्वजनिक परिवहन के फेरों को बढ़ा बढ़ाया जायेगा। श्री राय ने आज यहां कहा,' वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने ग्रेप-2 लागू करने का निर्देश दिया था जिसे दिल्ली में लागू किया गया है। इसके तहत डीटीसी और मैट्रो को फेरे बढ़ाने के निर्देश जारी किए गए। इसी क्रम में डीटीसी ने फ्रीक्वेंसी बढ़ाई है, मेट्रो ने 40 फेरे बढ़ा दिए हैं। उन्होंने कहा कि पानी छिड़काव करने वाले सभी संबंधित विभागों को आदेश दिया गया है कि वह पानी के छिड़काव में तेजी लाएं। पीडब्ल्यूडी को आदेश दिया है कि वह मोबाइल एंटी स्मॉग गन की तैनाती निर्माण कार्य स्थलों तथा धूल वाले स्थलों पर भी करें। हॉट स्पॉट पर कोऑर्डिनेशन टीम को प्रतिदिन दौरा करने का निर्देश दिया गया है।उन्होंने बताया कि यातायात के सुचारू प्रवाह और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर 1800 ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है।निजी परिवहन को हतोत्साहित करने के लिए वाहन पार्किंग शुल्क में वृद्धि को लेकर संबंधित विभाग को जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली से सटे राज्यों की सरकारों को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया है कि जबतक दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ है, वह अपनी डीजल बसों के स्थान पर सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसों को ही भेजें।

संचार तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत, भूटान

एजेंसी

नई दिल्ली » केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को यहां अपने निवास पर भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे का स्वागत किया और दोनों देशों के बीच संचार के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग पर लंबी चर्चा की।

सूत्रों के अनुसार श्री सिंधिया और भूटान के प्रधानमंत्री के बीच दो देशों के बीच दूरसंचार और सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर लंबी बातचीत हुई। श्री सिंधिया ने भूटान के प्रधानमंत्री का विशेष स्वागत करते हुए उन्हें चंदेरी

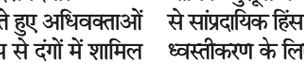

के बुनकरों द्वारा बनाया गया अंगवस्त्र भेंट किया। यह अंगवस्त्र खासतौर से श्री तोबगे के लिए चंदेरी से कल दिल्ली मंगवाया गया था। लाल रंग के इस अंगवस्त्र पर हाथ से बाघ चित्रित किए गए थे, जो भूटान और ग्वालियर चम्बल क्षेत्र की बढ़ती बाघ संख्या का प्रतीक हैं।मुलाकात के बाद श्री सिंधिया ने 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, 'भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। भूटान के साथ दूरसंचार और आईसीटी क्षेत्रों में सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा की गई। भारत ने अपना स्वयं का 4जी स्टैक और यूपीआई विकसित करने और उन्हें सामाजिक विकास के लिए उपकरण के रूप में उपयोग करने में एक उदाहरण स्थापित किया है। इन प्रौद्योगिकियों पर काम करने और दोनों देशों के बीच गहरे संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।'भूटान के प्रधानमंत्री इस वक्त भारत दौरे पर हैं और सोमवार को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। उस दौरान दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा हुई।

बुलडोजर मामला : बहराइच हिंसा आरोपियों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट आज करेगा सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली »उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में हिंसा और दंगों में कथित रूप से शामिल आरोपियों के खिलाफ 'बुलडोजर' चलाने की प्रस्तावित कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका पर बुधवार को सुनवाई की जायेगी। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी यू सिंह और अन्य वकीलों की शीघ्र सुनवाई करने की गुहार स्वीकार करते हुए इस मामले को 23 अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कथित रूप से दंगों में शामिल लोगों के खिलाफ तोड़-फोड़ की कार्रवाई इस आधार पर करना चाहती है कि उनका निर्माण अवैध है। इस पर पीठ ने कहा, 'आप इस अदालत द्वारा पारित आदेशों से अवगत हैं। यदि वे (राज्य सरकार) इन आदेशों का उल्लंघन करने का जोखिम उठाना चाहते हैं, तो यह उनकी पसंद है।' पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज से कहा कि उसे बुधवार तक कोई कार्रवाई नहीं करनी चाहिए।इस पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने सहमति जताते हुए कहा, 'हम कुछ नहीं करेंगे।'उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) ने बहराइच जिले के एक गांव में धार्मिक जुलूस के दौरान संगीत बजाने को लेकर कथित रूप से सांप्रदायिक हिंसा में शामिल तीन लोगों की अचल संपत्ति के ध्वस्तीकरण के लिए नोटिस जारी किया है।

भारत-सिंगापुर रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमत

एजेंसी

नई दिल्ली » भारत और सिंगापुर ने रक्षा सहयोग का दायरा बढाते हुए इसे मजबूत बनाने तथा इसे नयी उंचाई पर ले जाने पर सहमति व्यक्त की है।रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सिंगापुर के रक्षा मंत्री डॉ. एन जी इंग हेन के बीच मंगलवार को यहां हुई छठी भारत-सिंगापुर रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता के दौरान इस आशय की सहमति बनी।

दोनों रक्षा मंत्रियों ने इस वार्ता की सह-अध्यक्षता की और क्षेत्रीय शांति, स्थिरता तथा सुरक्षा पर दृष्टिकोण साझा किये। इस बैठक को भारत की एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक पूरे होने की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें सिंगापुर ने आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने तथा क्षेत्र के देशों के साथ रणनीतिक कनेक्टिविटी विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग पर संतोष व्यक्त किया। हाल के वर्षों में दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच नियमित बातचीत हुई है।वर्ष 2025 में भारत और सिंगापुर

सिंगापुर के रक्षा मंत्री ने द्रौपदी मुर्मु से भेंट की

नई दिल्ली » भारत की यात्रा पर आये सिंगापुर के रक्षा मंत्री डॉ. एनजी इंग हेन ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।डॉ. हेन का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और सिंगापुर के बीच द्विपक्षीय सहयोग का समृद्ध इतिहास है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी की हाल की सिंगापुर यात्रा और भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के दूसरे दौर के समापन से और बढ़ावा मिला है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि ये संबंध व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ गये हैं। राष्ट्रपति ने पहले आसियान-भारत समुद्री अभ्यास की सफलतापूर्वक सह-मेजबानी करने के लिए सिंगापुर को बधाई दी, और संयुक्त अभ्यास की आगामी श्रृंखला के लिए दोनों पक्षों के सशस्त्र बलों को शुभकामनाएं दीं। श्रीमती मुर्मु ने रक्षा क्षेत्र में नवीनतम विशेषज्ञता और तकनीकी प्रगति से लाभ उठाने के लिए दोनों देशों की रक्षा अनुसंधान एवं विकास टीमों के बीच घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 60 साल पूरे हो रहे हैं दोनों मंत्री रक्षा सहयोग को और बढ़ाने पर सहमत हुए और नई उपलब्धियां हासिल करने पर सहमत हुए। वे संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण पर द्विपक्षीय समझौते को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाने पर भी सहमत हुए।

दोनों देश रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन शुरू करने के लिए स्वाभाविक भागीदार हैं, दोनों पक्ष उद्योग सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए, जिसमें स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विशिष्ट डोमेन में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाना भी शामिल है। दोनों मंत्रियों ने साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने का भी निर्णय लिया। श्री सिंह ने 2021 से 2024 तक आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक - प्लस में भारत के लिए समन्वयक देश के रूप में सिंगापुर के समर्थन के लिए डॉ. एनजी इंग हेन को धन्यवाद दिया। सिंगापुर के रक्षा मंत्री ने माना कि भारत एशिया की शांति और स्थिरता के लिए एक रणनीतिक आवाज है। हाल ही में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था।

वायनाड के लिए मेरी बहन से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली » कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के केरल में वायनाड संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल करने से एक दिन पूर्व मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने पूर्व निर्वाचन क्षेत्र की सराहना करते इस सीट के लिए कांग्रेस महासचिव को सबसे अच्छा प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि वह कल्पना नहीं कर सकते कि वायनाड के लिए उनकी बहन से अच्छा कोई और प्रतिनिधि हो सकता है।

नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि सुश्री वाड्रा वायनाड की जरूरतों की एक जुनूनी पैरवीकार और संसद में एक शक्तिशाली आवाज होंगी।श्री गांधी ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा, 'वायनाड के लोगों के लिए मेरे दिल में एक विशेष स्थान है, और मैं अपनी बहन प्रियंका गांधी से बेहतर उनके लिए किसी और प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता।' उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि वह वायनाड की जरूरतों की जोशीली पैरोकार और संसद में एक शक्तिशाली आवाज साबित होंगी। आप लोग कल, 23 अक्टूबर को हमारे साथ जुड़ें, जब वह वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। साथ मिलकर, आइए सुनिश्चित करें कि वायनाड का प्यार से प्रतिनिधित्व होता रहे।'सुश्री वाड्रा के बुधवार को नामांकन

संपादकीय

भारत विरोधी अंतरराष्ट्रीय षडयंत्र है विमानों में बम की धमकी!

अब चांदी ही चांदी, मगर किसकी ?

आज कोई पोलटिकल या कम्युनल बात नहीं होगी क्योंकि आज का मुद्दा तेजी से उछल रही चांदी है चांदी को रजत भी कहा जाता है। रजतपट का नाम तो आपने सुना ही होगा। चांदी इतनी तेजी से उछल रही है कि देखने वाले भौंचक हैं।इतना तेज तो हमारे एथलीट भी नहीं उछल पाते चांदी न खाने के काम आती है न आईस्क्रीम बनाने के काम लेकिन चांदी के भाव आसमान छूकर आसमान से भी ऊपर किसी तीसरे -चौथे ग्रह से आगे निकल गए हैं। चांदी आम आदमी की धातु है। आम आदमी से मतलब गरीब-गुरबों की धातु। आदिवासियों की धातु। दवाओं और मिठाइयों को सजाने के लिए वर्क बनाने के काम आने वाली धातु । लेकिन अब इस चांदी को भी बाजार की नजर लग गयी है। चांदी हो या सोना या पीतल हमारे यहां धनतेरस पर खरीदा जाता है। परम्परा है। ज्योतिषी ऐसे योग बता देते हैं कि हैसियत हो या न हो बिना खरीदारी के मन नहीं मानता। अब धनतेरस और दीपावली से पहले जहां सोने की चमक बढ़ती जा रही है, तो वहीं दूसरी कीमती धातु चांदी भी लगातार उछल रही है । सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को चांदी ने नया मुकाम छू लिया, जी हां, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी 'मैक्स' पर एक किलो चांदी का भाव 1,00,000 रुपये के स्तर को छू गया।

चांदी के बढ़ते दाम ही देश की तरक्की का सबसे बड़ा प्रमाण हैं तो हमारा देश बिला शक तरक्की कर रहा है। इतनी तरक्की देश ने पहले कभी नहीं की। अब नहीं की तो नहीं की । हमें हकीकत को तस्लीम करना ही चाहिए। हम कोई विपक्ष तो हैं नहीं जो इस तरक्की को ख़ारिज कर दें ! हमें हकीकत का समाना करना आता है । हमें पता है कि हमारी हैसियत अपने परिवार की महिलाओं के लिए सोने के आभूषण खरीदने की भी नहीं है लेकिन अब हम शायद चांदी के आभूषण भी खरीदने लायक नहीं रहे। ये बात और है कि आजकल मोटे-ताजे अखबारों में चांदी के आभूषणों का कोई विज्ञापन नहीं छपता । केवल स्वर्ण और हीरे के आभूषणों के विज्ञापन आते हैं। छात्र जीवन में हमने एक बार चांदी पर निबंध लिखा था । उस निबंध की कुछ पंक्तियाँ हमें आज भी याद हैं। जैसे कि - चांदी सफ़ेद चमकदार धातु है।चांदी ऊष्मा व विद्युत की सबसे अच्छी सुचालक है।चांदी का परमाणु भार 107.88, विशिष्ट घनत्व 10.55 से 9.87 तक, विशिष्ट ऊष्मा लगभग 0.56 तथा रेखीय प्रसारगुणक 1ए से 100ए सें. के बीच 0.0000194 है। दुनिया का तो पता नहीं किन्तु हमारे देश में चांदी का उपयोग सिक्के व आभूषण बर्तन बनाने के अलावा , फोटोग्राफी में काम आने वाले सिल्वर ब्रोमाइड बनाने में किया जाता है।चांदी के द्वारा अमलगम बना कर इससे दर्पण बनाये जाते हैं व दाँतों में भरने के काम आता है।चांदी से बनी मिश्रधातुयें अत्यधिक उपयोगी होती हैं। आयुर्वेद वाले स्वर्ण भस्म की तरह चांदी की रजत भस्म बनाकर रोगियों कि तमाम रोग भस्म करने का दावा करते है। लेकिन अब चांदी इतनी महंगी हो गयी है की आप न इसे दांत में भर सकते हैं और न शहद लगाकर चाट सकते हैं । मिठाइयों पार इसके वर्क लगाने का तो ख्वाब भी मत देखिये। चांदी के अक्षरों से कोई इतिहास भी तो नहीं लिखा जाता। एक लाख प्रति किलो तक आ पहुंची चांदी हमारे जीवन में ही नहीं बल्कि हमारे साहित्य और कहावतों में भी ससम्मान मौजूद है । हम अक्सर कहते हैं कि - फलां साहब की तो चांदी ही चांदी है। या फलां साहब तो मुंह में चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए है। ये साहब या फिर फलां साहब तो आजकल चांदी काट रहे है। कभी किसी ने नहीं कहा की फलां साहब का तो सोना ही सोना है या फलां साहब आजकल सोना काट रहे हैं। ये चांदी का वैभव है कि वो लोक जीवन में सोने से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। समाज में चांदी की % सिल्ली % रखी जाती है लेकिन सोना बिस्किट से ज्यादा बड़ा नहीं हो पाया। भले ही किलो कि दाम सोने कि चांदी से ज्यादा हों,लेकिन किलो कि हिसाब से लोग सोना नहीं चांदी खरीदते है। चांदी आखिर सुरक्षित निवेश का भी तो माध्यम है। भारत हालांकि कृषि प्रधान देश है लेकिन यहां चांदी की खपत बहुत ज्यादा है। भारत अपनी जरूरत की चांदी पैदा नहीं कर पाता तो उसे विदेशों से चांदी मंगाना पड़ती है। आखिर जनता का ख्याल तो रखना ही पड़ता है ! भारत में इसका बहुत कम उत्पादन होता है। भारत अक्सर बेल्जियम, ब्रिटेन, इटली, पश्चिमी जर्मनी आदि देशों से चांदी का आयात करता हैं। भारत में चांदी - राजस्थान में जावर माइन्स, कर्नाटक में चित्रदुर्ग तथा बेलारी ज़िले, आन्ध्र प्रदेश में कडपा, गुंटूर तथा कुरनूल ज़िले, झारखण्ड में संथाल परगना तथा उत्तराखण्ड में अल्मोड़ा में मिल जाती है। पहले इसका उत्खनन तमिलनाडु के अन्नतपुर में भी किया जाता था जो अब समाप्त हो गया है। पुराने आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1999-2000 के दौरान देश में कुल 53641 किग्रा. चांदी का उत्पादन हुआ था।

चांदी भी छूई-मुई है। विशेषज्ञ बताते हैं कि चांदी में ये उछाल मध्य पूर्व में बढ़ते जियो-पॉलिटिकल तनाव और आगामी अमेरिकी चुनावों से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण देखने को मिल रहा है. केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टरअजय केडिया का अनुमान है कि मार्च 2025 तक चांदी का भाव 1.3 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुँच सकता है। यानि चांदी को महंगा करने में हमारे देश की गठबंधन या बैशाखनंदन सरकार का कोई हाथ नहीं है। कोई भूमिका नहीं है,इसलिए उसे इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। वैसे भी हमारी सरकार कोई जिम्मेदारी अपने ऊपर कभी लेती नहीं। उसे राम पर भरोसा है और जनता को भी। हमारी सरकार देश की जनता के, लिए कोई दूसरी जरूरी चीज का आयात करे या न करे लेकिन चांदी का आयात जरूर करती है । सरकारी आंकड़े बताते हैं कि भारत ने जनवरी से अप्रैल के दौरान रिकॉर्ड 4,172 मीट्रिक टन चांदी का आयात किया, जो एक वर्ष पहले इसी अवधि आयात से 455 टन से अधिक है। ये हमारी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि जरूर है। पिछले बजट में ही हमारी सरकार ने इसीलिए चांदी कि आयात पर शुल्क बढ़ा दिया । यानी आम कि आम और गुठलियों कि दाम जैसी है चांदी। हम सनातनी हिन्दू मुसलमानों की दुकानों से खाने-पीने की चीजें खरीदें या न खरीदें लेकिन चांदी जरूर खरीद लेते है। आप ये जानकर हैरान होंगे कि भारत का अपने मुक्त व्यापार समझौता) साझेदार संयुक्त अरब अमीरात से सोने और चांदी का आयात 2023-24 में 210 प्रतिशत बढ़कर 10.7 अरब डॉलर हो चुका है। जबकि ये इस्लामिक देश है। चांदी सोने कि मुकाबले में झाँकने में भी आगे है और उछलने में भी। सोने कि कंगन ही खनकते हैं। वे उछल नहीं सकते,लेकिनचांदी जेवर ही नहीं बल्कि खुद चांदी सोने कि मुकाबले 10 फीसदी ज्यादा उछल सकती है । उछल रही है । सोना 20 फीसदी उछला तो चांदी 30 फीसदी उछल गयी।

▪ *राकेश अचल*

मनोज कुमार अग्रवाल

बम की इन फर्जी धमकियों को रोकने के लिए सरकार भी सख्त कदम उठाने की योजना बना रही है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय अन्य संबंधित मंत्रालयों के साथ मिलकर विमान अधिनियम-1934 और विमान नियम-1937 में संशोधन करने की दिशा में काम कर रहा है। इस संशोधन के तहत फर्जी धमकी देने वालों को 5 साल की सजा और नो-फ्लाई लिस्ट में डालने की सिफारिश की जा रही है। कानून और गृह मंत्रालय के परामर्श से एक समिति गठित की जाएगी, जो इस संशोधन का मसौदा तैयार करेगी।दरअसल अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार किसी भी धमकी की सूचना के बाद विमान को लेंड कर उसकी सघन जांच करना जरूरी होता है। इस नियम के कारण परेशानी बढ़ रही है और धमकी देने वाले मजा ले रहे हैं।

देश में विमानों को उड़ाने की धमकी देने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है, जो काफी चिंता की बात है,भारत के आसमान में हाल ही में बम धमकी की घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। देशभर की एयरलाइंस को एक हफ्ते में 75 से ज्यादा बम की धमकियाँ मिली हैं, जिनमें से अधिकांश झूठी साबित हुईं। इन घटनाओं ने यात्रियों में डर और असुविधा का माहौल पैदा किया है, जबकि एयरलाइंस और सुरक्षा एजेंसियों पर अतिरिक्त दबाव बना है। इस संदर्भ में नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो और अन्य संबंधित एजेंसियाँ लगातार प्रयासरत हैं कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान हो।

आपको बता दें कि सिर्फ शनिवार 19 अक्टूबर 2024 को ही 30 से अधिक विमानों को बम की धमकी मिली, जिससे हवाई सुरक्षा में चिंता बढ़ गई। अब तक कुल 75 विमानों को धमकियाँ मिल चुकी हैं। इन विमानों में विस्तारा , इंडिगो, एयर इंडिया , स्पाइसजेट ,अकासा , स्टार एअर और एलायंस एयर शामिल थीं। इस बीच, मुंबई से कोलंबो जा रही एक विसतारा की फ्लाइट में बम की खबर मिलने के बाद सभी 96 यात्रियों और 8 क्रू सदस्यों को सुरक्षित उतारा गया। इसके अलावा कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को भी धमकियों का सामना करना पड़ा। हालाँकि जाँच के बाद यह पाया गया कि अधिकांश धमकी फर्जी अफवाह हैं और इन्हें भारत विरोधी ताकतों द्वारा जानबूझकर एक षडयंत्र के तहत विदेश से अंजाम दिया गया।

यह भी बता दें कि हर एक फर्जी धमकी के बाद होने वाली जाँच और प्रोटोकॉल को पूरा करने में काफी समय और पैसा खर्च होता है। ऐसी हर एक धमकी पर 3 करोड़ से ज्यादा का नुकसान होता है। एक अनुमान के मुताबिक, इन धमकियों से अब तक 200 करोड़ से अधिक का नुकसान हो चुका है। साथ ही यात्रियों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है।क्योंकि फर्जी कॉल से आम सवारियों की सांसें हवा में ही अटक जाती है। इसके साथ ही सरकार और विमानन कंपनियों के भी हाथ पांव ठंडे पड़ने लगते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार और विमानन कंपनियों के तरफ से उठाये जा रहे सख्त कदमों के बावजूद ऐसी धमकियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। इससे तो यही साबित होता है कि ऐसा करने वालों को किसी भी प्रकार का डर या भय रही है। हवाई यात्रा को बेहद सुरक्षित और सुगम्य साधन माना जाता है। रेलगाड़ियों में भीड़भाड़ और अधिक समय लगने से यात्रियों का एक बड़ा वर्ग हवाई यात्रा को प्राथमिकता देता है। मगर यहां भी लेटलतीफी, उड़ानों के रद्द होने और विमानों में बम रखे जाने के फर्जी संदेशों तथा धमकियों ने उन्हें मुश्किल में डाल दिया है। यह एक बड़ा सवाल है कि सोशल मीडिया मंच से या ई-मेल भेज कर कोई इस तरह खुलेआम धमकी कैसे दे सकता है। यह हाल तब है जबकि ऐसे फर्जी संदेशों को पकड़ने की आधुनिक तकनीक हमारे पास उपलब्ध है। फिर भी सुरक्षा एजेंसियां झूठी धमकियां देने वालों का पता नहीं लगा पार्टी। आरोपी कहीं भी बैठ कर अपनी हरकत दोहराते रहते हैं। ऐसी घटनाओं से जहां एक ओर सुरक्षित यात्रा के प्रति भरोसा टूटता है, वहीं यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है। इसके साथ ही विमानों में अम की 1 फर्जी कॉल से किसी भी विमानन कंपनी का कम से कम 3 करोड़ रुपये स्वाहा हो जाते हैं। इन शरारती तत्वों ने पिछले कुछ दिनों में करीब 75 विमानों में बम होने की धमकी दी है, जिससे करीब 200 करोड़ रुपये के नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। बम की झूठी धमकी को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं कि कहीं यह वित्तीय आतंकवाद का हिस्सा तो नहीं है? एक

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 14 अक्टूबर को 130 टन जेट ईंधन से लदे एयर इंडिया बोइंग 777 विमान ने मुंबई से न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे के लिए 16 घंटे की नॉनस्टॉप उड़ान भरी। हालांकि, उड़ान भरने के तुरंत बाद एयरलाइन को बम की धमकी मिली। इस कारण एयर इंडिया के इस विमान को न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे पर ले जाने के बजाय दो घंटे के भीतर दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

यह घटना न केवल सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है, बल्कि एयरलाइन के लिए एक महंगा सौदा भी है। यात्रियों, सामान और कार्यों के साथ विमान का करीब 340-350 टन के बीच था। बोइंग 777 विमान की लैंडिंग का अधिकतम वजन 250 टन है। सुरक्षित रूप से उतरने के लिए चालक दल को लगभग 100 टन इंधन फेंकना पड़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे न केवल ईंधन की बर्बादी हुई, बल्कि इंधन की लागत के तौर 1 करोड़ रुपये का भी नुकसान हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरजेंसी लैंडिंग के विमान में सवार 200 से अधिक यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को होटल में ठहरने की व्यवस्था, छूटे हुए कनेक्शन के लिए मुआवजा, गहन जांच के लिए विमान को रोकना और नए चालक दल की व्यवस्था करने में विमानन कंपनी को अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है, जिससे उड़ान की लागत बढ़ जाती है। एविएशन इंडस्ट्रीज के सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि विमान में बम होने की फर्जी कॉल से विमानन कंपनियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। एयरलाइन अधिकारियों ने विमान में फर्जी कॉल को वित्तीय आतंकवाद बताया है और उन्होंने इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि त्योहारों का सीजन है और विमानने यात्रियों में डर का माहौल पैदा नहीं करना चाहते। यही कारण है कि एयरलाइंस किसी भी खतरे को हल्के में नहीं ले रही हैं, भले ही उन्हें विश्वसनीय माना जाए या नहीं। बम की झूठी धमकियों से सरकार भी तंग आ चुकी है। इसको देखते हुए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। नागरिक उड्यन मंत्री के राममोहन नायडू ने संकेत दिया है कि मंत्रालय अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए नागरिक उरुयन नियमों में संशोधन पर काम कर रहा है। विमानन मंत्रालय इस तरह के खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियमों की समीक्षा कर रहा है। इसके अलावा मंत्रालय बम की धमकी के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों को नो-फ्लाई सूची में रखने का भी निर्णय ले चुका है। इसके अलावा सरकार भी इन घटनाओं के मद्देनजर, गृह मंत्रालय ने कई सुरक्षा एजेंसियों जैसे कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नागरिक उड्डयन ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी और खुफिया ब्यूरो को निर्देश दिया है कि वे इन धमकियों की समीक्षा करें और समय-समय पर अपडेट प्रदान करें। बम की धमकियों के घटनाक्रम बेहद चिंतनीय विषय है, क्योंकि यह बेहर संवेदनशील विषय है। यात्रियों की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित होनी चाहिए और अच्छी बात है कि किसी भी धमकी को एयरलाइंस कंपनियां हल्के में नहीं ले रही है। मगर सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर यह सिलिसला कब तक चलता रहेगा? जरूरी है कि सुरक्षा एजेंसियां और सक्रिय हो और उन जड़ों तक पहुंचे जहां से धमकी भरे फोन या ईमेल आ रहे हैं। साफ है कि यह सब कुछ साजिश के तहत किया जा रहा है और इसके पीछे डर और भय का माहौल पैदा करना है। इसलिए ऐसा करने वाले लोग अगर पकड़े जाते हैं, तो उनके विरुद्ध सख्त धाराओं के तहत मामले दर्ज होने चाहिए। फिलहाल जरूरत है कि धकमियों के सिलसिले तो खत्म करने के लिए सभी प्रकार के कदम उठाए जाए, ताकि यात्रियों को आए दिन धमकियों का सामना नहीं करना पड़े।उम्मीद यही की जा सकती है कि इस मामले में हमारी सुरक्षा एजेंसियों को जल्द ही कामयाबी मिलेगी।

बम की इन फर्जी धमकियों को रोकने के लिए सरकार भी सख्त कदम उठाने की योजना बना रही है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय अन्य संबंधित मंत्रालयों के साथ मिलकर विमान अधिनियम-1934 और विमान नियम-1937 में संशोधन करने की दिशा में काम कर रहा है। इस संशोधन के तहत फर्जी धमकी देने वालों को 5 साल की सजा और नो-फ्लाई लिस्ट में डालने की सिफारिश की जा रही है। कानून और गृह मंत्रालय के परामर्श से एक समिति गठित की जाएगी, जो इस संशोधन का मसौदा तैयार करेगी।दरअसल अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार किसी भी धमकी की सूचना के बाद विमान को लेंड कर उसकी सघन जांच करना जरूरी होता है। इस नियम के कारण परेशानी बढ़ रही है और धमकी देने वाले मजा ले रहे हैं। *(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)*

बेजान और पक्षपाती होता संयुक्त राष्ट्रसंघ

दुनियाभर में संघर्षों व तनावों के बीच संवादहीनता खत्म करने व विश्व शांति के उद्देष्य के साथ 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्तराष्ट्रसंघ की स्थापना हुई थी मगर, आज की परिस्थितियों में यह उद्देश्य पूरा होता नहीं दिख रहा है । असलियत तो यह है कि आज

डॉ घनश्याम बादल

संयुक्तराष्ट्र, संघ एक बेजान संगठन बन कर रह गया है उस पर महज चंद देशों का कब्जा़ हो गया है खास तौर पर सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्यों ने अपने वीटो पॉवर की वजह से संयुक्तराष्ट्र, संघ को खिलौना बनाकर रख दिया है । अमेरिका , चीन, जापान, फ्रांस, ब्रिटेन व रूस का प्रभुत्व ही सब कुछ हो गया है । यूक्रेन और रूस का घमासान जारी है, इजरायल, सीरिया, ईरान,फिलिस्तीन दुनिया भर को विश्व युद्ध के कगार पर ले जाते दिखाई दे रहे हैं । फ्रांस ,रूस, अमेरिका, ब्रिटेन, चीन जैसे देश अपने हथियार बेचने के पत्ते चल रहे हैं यानी एक बार फिर से दुनिया के सामने करीब-करीब 1939 से 45 वाले ही हालात सामने हैं मगर संयुक्तराष्ट्र, संघ कुछ भी नही कर पा रहा है । भारत, पकिस्तान व चीन के विवादों में भी उसकी भूमिका एक अपंग संस्था जैसी ही रही है, ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिरकार संयुक्तराष्ट्रसंघ की ज़रूरत ही क्या है ?

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सही ही कहा था पिछले दिनों कि आखिर भारत कब तक संयुक्तराष्ट्र, संघ में अपनी वाज़िब हिस्सेदारी के लिए प्रतीक्षा करे । आज भारत एशिया ही नहीं दुनिया के प्रभावशाली देशों में शुमार है, उसकी जनसंख्या अब कमजोरी नहीं ताकत बन चुकी है । उसकी अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था है । स्थाई सुरक्षा परिषद की सदस्यता पर उसका दावा एकदम सही व समय की मांग के अनुकूल है पर, संयुक्तराष्ट्र, संघ पर हावी देश उसके हक को दबाए बैठे हैं । तब भारत क्यों न संयुक्तराष्ट्र, संघ से अलग कुछ सोचे ?पर,

संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस पर

अगर भारत ने ऐसा सोचा व किया तब तो संयुक्तराष्ट्र, संघ मुर्दा संगठन ही बनकर रह जाएगाा । अतः बेहतर हो कि अब संयुक्तराष्ट्र, संघ भारत की भूमिका बढ़ाने के बारे में तत्परता व गंभीरता से सोचे और केवल सोचे ही नहीं अपितु उस पर अमल करे । संयुक्तराष्ट्र, संघ के वर्तमान के ज्वलंत प्रश्नों के साथ उसके स्थापना दिवस पर उसके इतिहास , दायित्वों , कार्यों व उपलब्धियों तथा सफलताओं विफलताओं पर भी एक नज़र डालना समीचीन होगा आज। द्वितीय विश्वयुद्ध के विजेता देशों ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र को अन्तर्राष्ट्रीय संघर्ष की स्थिति में में विवादों व युद्ध की समाप्ति के लिए हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से व भविष्य मे द्वितीय विश्वयुद्ध की तरह के युद्ध रोकने के लिए संयुक्तराष्ट्र में सुरक्षा परिषद के रूप में सबसे शक्तिशाली देशों संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन को शामिल किया । वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र मे 194 देश संयुक्त राष्ट्रसंघ के सदस्य हैं और आम सभा, सुरक्षा परिषद, यूनिसेफ, आर्थिक व सामाजिक परिषद, सचिवालय और अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय इसके मुख्य अंग हैं ।

राष्ट्र संघ के विफल होने पर द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद पहली बार संयुक्त राष्ट्रसंघ का विचार उभरा और 24 अप्रैल 1945 को, अिमेरिका के सैन फ्रैंसिस्को में अंतराष्ट्रीय संस्थाओं की संयुक्त बैठक राष्ट्र सम्मेलन हुई और 40 उपस्थित देशों ने संयुक्त राष्ट्रीय संविधान पर हस्ताक्षर किए और 24 अक्टूबर 1945 को 50 देशों के साथ संयुक्तराष्ट्र, संघ की स्थापना हुई । संयुक्त राष्ट्रसंघ का मुख्यालय अमेरिका के न्यूयॉर्क बना दूसरी अहम संस्थाएं जेनेवा, कोपनहेगन आदि में हैं। संयुक्त राष्ट्र में अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रांसीसी, रूसी और स्पेनिश सहित छह भाषाएं स्वीकृत हैं इनमे भी अंग्रेजी व फ्रेंच ही संचालन भाषाएं हैं । स्थापना के समय, केवल चीनी, अंग्रेजी, फ्रांसीसी व रूसी भाषाएं ही ली गई थी । 1973 में अरबी और स्पेनिश को भी सम्मिलित किया गया। आज हिंदी को भी इसमें समिलित करना आवश्यक है। पर ऐसा कब होगा और होगा भी या नहीं कोई नहीं जानता। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख उद्देश्य युद्ध रोकना, मानव अधिकारों की रक्षा करना, अंतर्राष्ट्रीय कानून को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक और आर्थिक विकास उभारना, जीवन स्तर सुधारना और बीमारियों से लड़ना हैं। इन उद्देश्यों पूर्ति हेतु 1948 में सार्वभौम मानव अधिकारों की घोषणा की गई थी । द्वितीय विश्वयुद्ध के संहार के बाद, संयुक्त राष्ट्र ने मानव अधिकारों को बहुत आवश्यक समझा और ऐसी घटनाओं को भविष्य में रोकने हेतु 1948 में सामान्य सभा ने सार्वभौम मानव अधिकारों की घोषणा को स्वीकृत कर 15 मार्च 2006 को, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की स्थापना की। आज मानव अधिकारों के संबंध में सात संघ निकाय मानव अधिकार संसद, आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों का संसद, जातीय भेदभाव निष्कासन संसद, नारी विरुद्ध भेदभाव निष्कासन संसद, यातना विरुद्ध संसद , बच्चों के अधिकारों का संसद व प्रवासी कर्मचारी संसद कार्यरत हैं ।

जिस समय संयुक्त राष्ट्र बना था, उस समय सभी राष्ट्र एक दूसरे के घोर विरोधी थे । दो देश आपस में तभी जुड़ते थे, जब उनका हित होता था. हित की पूर्ति होते ही वे अलग होकर एक दूसरे से लड़ने लगते थे. इसी कारण दो भीषण विश्वयुद्ध हुए। उस समय के पांच मजबूत देशों को वीटो पॉवर दिया गया, ताकि वे सभी से सहयोग कर सकें । अगर किसी एक ने वीटो पावर का प्रयोग कर दिया तो वह आम राय नहीं मानी जाती और संयुक्त राष्ट्र वह कार्य नहीं कर पाता है मगर इस ताकत का अनेक बार बेजां इस्तेमाल हुआ है । भारत को सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य न बनने देने के लिए चीन अपनी वीटो पॉवर का इस्तेमाल करता रहा है । चूंकि संयुक्त राष्ट्रसंघ के पास अपनी कोई सेना या बल नहीं है तो उसे किसी भी कार्यवाही के लिए अपने सदस्यों देशों पर ही निर्भर करना पड़ता है और इसी वजह से संयुक्त राष्ट्रसंघ में ताकतवर देश मनमानी करते हैं।

विजय गर्ग

त्यौहार सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने का एक साधन थे। अनुष्ठान, पारंपरिक पोशाक, संगीत और नृत्य इन समारोहों के अभिन्न अंग थे, जो पीढ़ियों के बीच एक पुल के रूप में काम करते थे। सामुदायिक जुड़ाव : त्योहार समुदायों को एक साथ लाते हैं, जिससे अपनेपन और साझा पहचान की भावना को बढ़ावा मिलता है।

त्योहार समारोह पारंपरिक से डिजिटल तक

त्यौहार हमेशा मानव संस्कृति की आधारशिला रहे हैं, जो खुशी, प्रतिबिंब और सामुदायिक बंधन के क्षणों के रूप में कार्य करते हैं। परंपरागत रूप से, इन समारोहों को अनुष्ठानों, सभाओं और पीढ़ियों से चले आ रहे सदियों पुराने रीति-रिवाजों द्वारा चिह्नित किया गया है। हालाँकि, जैसे-जैसे डिजिटल युग आया, हमारे त्योहार मनाने के तरीके में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। यह ब्लॉग त्योहारों की पारंपरिक जड़ों से लेकर उनके वर्तमान डिजिटल अवतार तक की यात्रा की पड़ताल करता है, और इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे प्रौद्योगिकी ने हमारे उत्सव के अनुभवों को फिर से परिभाषित किया है। त्योहारों का पारंपरिक सार : ऐतिहासिक रूप से, त्योहार धार्मिक, कृषि या सांस्कृतिक प्रथाओं से गहराई से जुड़े हुए थे। चाहे वह भारत में दिवाली के दौरान दीपों की रोशनी हो, ब्राजील में कार्निवल की भव्य परेड, या संयुक्त राज्य अमेरिका में थैंक्सगिविंग का शांत प्रतिबिंब, त्योहारों की विशेषता भौतिक समारोहों, साझा भोजन और सांप्रदायिक भागीदारी थी। सांस्कृतिक महत्व : त्यौहार सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने का एक साधन थे। अनुष्ठान, पारंपरिक पोशाक, संगीत और नृत्य इन समारोहों के अभिन्न अंग थे, जो पीढ़ियों के बीच एक पुल के रूप में काम करते थे। सामुदायिक जुड़ाव : त्योहार समुदायों को एक साथ लाते हैं, जिससे अपनेपन और साझा पहचान की भावना को बढ़ावा मिलता है। वे अक्सर पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने और मित्रता को नवीनीकृत करने की पृष्ठभूमि थे। शारीरिक भागीदारी : घरों को सजाने से लेकर जुलूसों में भाग लेने तक, त्योहारों में शारीरिक भागीदारी को उत्सव के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में देखा जाता था।

प्रौद्योगिकी का आगमन : इंटरनेट और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उदय के साथ, त्योहार समारोहों का परिदृश्य बदलना शुरू हो गया। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म द्वारा सक्षम सुविधा, कनेक्टिविटी और रचनात्मकता ने जश्न मनाने के नए तरीके पेश किए हैं, खासकर तेजी से वैश्वीकृत और तकनीक-प्रेमी दुनिया में। आभासी सभाएँ : सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक भौतिक सभाओं से आभासी सभाओं की ओर बदलाव है। फेसबुक, जूम और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म आभासी त्योहार समारोहों की मेजबानी के लिए लोकप्रिय स्थान बन गए हैं, जिससे लोगों को वास्तविक समय में दुनिया भर में अपने प्रियजनों से जुड़ने की अनुमति मिलती है। डिजिटल सजावट : पारंपरिक सजावट में भी डिजिटल बदलाव देखा गया है। संवर्धित वास्तविकता (एआर) और वर्चुअल डिज़ाइन उपकरण व्यक्तियों को न्यूनतम शारीरिक प्रयास के साथ अपने घरों में उत्सव का माहौल बनाने की अनुमति देते हैं। ऐप्स अब आभासी दिवाली लैंप से लेकर अनुकूलन योग्य क्रिसमस ट्री तक सब कुछ प्रदान करते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग और उपहार देना : ई-कॉमर्स के उदय ने त्योहारों के लिए खरीदारी करने के तरीके में क्रांति ला दी है। हलचल भरे बाजारों के बजाय, लोग अब सजावट, उपहार और उत्सव की पोशाक के लिए ऑनलाइन स्टोर ब्राउज़ करते हैं। डिजिटल उपहार कार्ड और आभासी उपहार भी आम हो गए हैं, जो तेजी से बढ़ती, डिजिटल-प्रथम दुनिया की जरूरतों को पूरा करते हैं। सोशल मीडिया का प्रभाव : सोशल मीडिया ने न केवल हमारे जश्न मनाने के तरीके को बदल दिया है, बल्कि हमारे उत्सवों को साझा करने के तरीके को भी बदल दिया है। इंस्टाग्राम और टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म ने त्योहारों को वैश्विक आयोजनों में बदल दिया है, जहां रुझान वायरल हो सकते हैं और अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान आदर्श हैं। हैशटैग छुट्टियाँ : मैरीक्रिसमस या दिवाली2024 जैसे हैशटैग लोगों के लिए अपने उत्सव के अनुभवों को वैश्विक दर्शकों के साथ साझा करने का एक तरीका बन गए हैं। ये डिजिटल फ़ुटप्रिंट विश्वव्यापी समुदाय के एक साथ जश्न मनाने की भावना पैदा करते हैं। प्रभावशाली संस्कृति : आधुनिक त्योहार समारोहों को आकार देने में प्रभावशाली लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ईद के लिए फैशन टिप्स से लेकर...नवोन्वेषी दिवाली रेसिपी, प्रभावशाली लोग प्रेरणा प्रदान करते हैं और ऐसे रुझान स्थापित करते हैं जो उनके अनुयायियों को पसंद आते हैं।

आभासी चुनौतियाँ और प्रतियोगिताएँ : सोशल मीडिया ने त्योहारों में इंटरैक्टिव तत्व भी पेश किए हैं। आभासी चुनौतियाँ, जैसे सजावट प्रतियोगिताएं या डांस-ऑफ़, उपयोगकर्ताओं को संलग्न करती हैं और उत्सव के आसपास एक भागीदारी संस्कृति बनाती हैं। परंपराओं के संरक्षण में डिजिटल की भूमिका : दिलचस्प बात यह है कि जहां डिजिटल प्लेटफॉर्म ने जश्न मनाने के नए तरीके पेश किए हैं, वहीं उन्होंने पारंपरिक प्रथाओं को संरक्षित और पुनर्जीवित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऑनलाइन ट्यूटोरियल, वर्चुअल वर्कशॉप और सांस्कृतिक ऐप्स ने युवा पीढ़ी के लिए पारंपरिक अनुष्ठानों के बारे में सीखना और उनमें भाग लेना आसान बना दिया है। शैक्षिक सामग्री : पारंपरिक शिल्प, व्यंजनों और अनुष्ठानों के लिए समर्पित यूट्यूब चैनलों और ब्लॉगों ने यह सुनिश्चित किया है कि सांस्कृतिक ज्ञान नष्ट न हो, बल्कि आधुनिक संदर्भों के अनुकूल हो। वैश्विक पहुंच : डिजिटल प्लेटफार्मों ने प्रवासी समुदायों के लिए अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहना संभव बना दिया है। मंदिर समारोहों, वर्चुअल सेडर रात्रिभोज, या ऑनलाइन सांस्कृतिक उत्सवों की लाइवस्ट्रीम लोगों को उनके स्थान की परवाह किए बिना पारंपरिक समारोहों में भाग लेने की अनुमति देती है। चुनौतियाँ और आलोचनाएँ : कई लाभों के बावजूद, त्योहारों के डिजिटलीकरण की अपनी चुनौतियाँ हैं। आभासी समारोहों में बदलाव से कभी-कभी व्यक्तिगत स्पर्श और भावनात्मक संबंध का नुकसान हो सकता है जो भौतिक समारोह प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से त्योहारों के व्यावसायीकरण ने सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व के कमजोर होने के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। शारीरिक संबंध की हानि : आभासी सभाएँ, सुविधाजनक होते हुए भी, आमने-सामने की बातचीत की गर्मजोशी और अंतरंगता को पूरी तरह से दोहरा नहीं सकती हैं। संवेदी अनुभव - जैसे उत्सव के भोजन की सुगंध, पारंपरिक संगीत की ध्वनि और जटिल सजावट की अनुभूति - अक्सर डिजिटल समारोहों में गायब हैं। व्यावसायीकरण : ऑनलाइन विज्ञापनों, बिक्री और प्रचार के माध्यम से त्योहारों का व्यावसायीकरण कभी-कभी उत्सव के वास्तविक अर्थ को धूमिल कर सकता है, जिससे यह सांस्कृतिक या धार्मिक अनुष्ठान के बजाय उपभोक्ता-संचालित कार्यक्रम में बदल जाता है। निष्कर्ष त्योहार समारोहों का पारंपरिक से डिजिटल तक विकास प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित व्यापक सामाजिक परिवर्तनों को दर्शाता है।

पब्लिक एशियाः पत्र पंजीकरण संख्याः HARHIN/2011/40057, स्वामी मुकेश वत्स के लिए मुद्रक, प्रकाशक, स्वाति वर्मा ने पब्लिक एशिया E- 33, सैक्टर-7 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित करवाकर कार्यालय पब्लिक एशिया हाउस, शॉप नो.-8 ईदगाह रोड, नियर रेलवे स्टेशन, मॉडल टाउन, पानीपत, 132103, हरियाणा से प्रकाशित किया से प्रकाशित किया। E-mail: publicasia1989@gmail.com, website: www.publicasia.in, स्वाति वर्मा (संपादक), मुख्य कार्यालय : पब्लिक एशिया हाऊस 686 जी, न्याय खंड 2 इंदरापुरम गाज़ियाबाद(उ.प्र)। Mobile No. 8287879604, 9891945513, 0120-2605513 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होगें।
वैधानिक सूचना-पाठकों को सलाह दी जाती है की किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच- पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापन के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

मुख्य समाचार

अध्यापक अभिभावक मुलाकात में 27 लाख अभिभावक शामिल हुए

छात्रों की प्रगति पर चर्चा का बेहतर अवसर मिला : भगवंत मान

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव के चलते आज राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में अध्यापक-अभिभावक मुलाकात (मेगा पीटीएम) के दौरान 27 लाख अभिभावकों ने हिस्सा लिया।

मंगलवार को नंगल में मेगा पीटीएम के दौरान %स्कूल ऑफ एमिनेंस% का दौरा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पंजाब के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि राज्य के हर सरकारी स्कूल में पीटीएम आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि करीब 27 लाख अभिभावको ने आज स्कूलों में जाकर पढ़ाई, वातावरण, गतिविधियों और बच्चों को प्रदान की जा रही अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस पहल से अध्यापकों को अभिभावकों के साथ विद्यार्थियों के प्रदर्शन पर विचार-विमर्श करने का सही मौका मिलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के शिक्षा क्षेत्र में पीटीएम आयोजित करने का निर्णय एक अनुकरणीय कदम है, क्योंकि इससे पहले इस तरह की पीटीएम सिर्फ निजी स्कूलों में होती थी, जबकि सरकारी स्कूल ऐसे महत्वपूर्ण अवसरों से वंचित रह जाते थे। उन्होंने कहा कि यह

कदम विद्यार्थियों के हित में शिक्षा के बेहतरीन तरीकों में से एक है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा क्रांति के एक नए युग की शुरुआत की है और इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार 202 प्रिंसिपलों और शिक्षा अधिकारियों के छह बैचों को पांच दिवसीय लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए सिंगापुर भेज चुकी है। इस दौरान उन्होंने बताया कि 72 होनहार प्राथमिक शिक्षकों का एक बैच पिछले शुक्रवार को पेशेवर प्रशिक्षण के लिए फिनलैंड दौरे पर गया है। उन्होंने कहा कि 152 हेडमास्टर और शिक्षा अधिकारियों के तीन बैच आईआईएम अहमदाबाद में उच्च स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रयास का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्व स्तर की शिक्षा प्रदान करना है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग में 10 साल से अधिक समय से सेवा निभाने वाले 12,316 योग्य अध्यापकों को नियमित किया है। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2022 से अब तक 10,361 अध्यापकों की भर्ती की गई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि स्कूलों की सुरक्षा और सफाई के लिए 82 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल 118 सरकारी स्कूलों को उच्च स्तर के %स्कूल ऑफ एमिनेंस% के रूप में विकसित किया जा रहा है और राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में हाई-स्पीड फाइबर वाई-फाई इंटरनेट कनेक्शन के लिए 29.3 करोड़ रुपए का बजट प्रदान किया गया है। भगवंत सिंह मान ने बताया कि स्कूलों के सभी विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म वितरित की गई हैं और विद्यार्थियों को मुफ्त यूनिफॉर्म प्रदान करने के लिए 35 करोड़ रुपए जारी किए गए। उन्होंने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग पंजाब द्वारा 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस और 17 सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों की लड़कियों के लिए परिवहन सुविधा शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाबियों में जन्म से ही नेतृत्व क्षमता होती है और इन विद्यार्थियों में हर क्षेत्र में श्रेष्ठता प्राप्त करने के गुण हैं। उन्होंने कहा कि ये विद्यार्थी अपने सपनों की उड़ान भरेंगे और राज्य सरकार इन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए उचित मंच प्रदान करेगी। भगवंत सिंह मान ने स्पष्ट तौर पर कहा कि वे तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक पंजाब के विद्यार्थी अपने निर्धारित लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लेते।मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिभावकों को अपने बच्चों की क्षमता और योग्यता पर भरोसा होना चाहिए, क्योंकि वे किसी भी क्षेत्र में सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को किसी विशेष विषय को अपनाने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए, बल्कि उन्हें अपनी इच्छा के अनुसार प्रेरित करना चाहिए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी और बुनियादी ढांचा उनकी सरकार की पांच प्राथमिकताएं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के अथक प्रयासों के चलते राज्य में पानी के स्तर में सुधार होना शुरू हो गया है, क्योंकि नहरी पानी का अधिकतम उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पानी की सफाई और संरक्षण पर ध्यान दे रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह जानकर खुशी हुई कि राज्य में भूमिगत जल के पुनर्भरण का कार्य शुरू हो गया है और यह सिलसिला भविष्य में भी जारी रहेगा।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण देने के लिए आठ हाई-टेक सेंटर खोल रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये केंद्र युवाओं को यूपीएससी परीक्षा पास करने और राज्य तथा देश में प्रतिष्ठित पदों पर सेवा करने के लिए मापदंड आधारित प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य युवाओं को उच्च पदों पर बैठाकर देश की सेवा सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब हमेशा अग्रणी राज्य रहा है और भविष्य में भी अग्रणी रहेगा, क्योंकि पंजाबियों को कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की विशेषता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा के साथ निभा रही है ताकि पंजाब हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व कर सके। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उन्हें आगामी चुनावों की चिंता नहीं है, बल्कि वे अगली पीढ़ियों के लिए काम कर रहे हैं, जिसके चलते लोगों की भलाई के लिए बड़े कदम उठाए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के कंडी क्षेत्र में पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए बड़े प्रयास कर रही है।

समाधान शिविरों में नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध ढंग से करें समाधान : डीडीपीओ राजपाल चहल

सुकरमपाल ,पब्लिक एशिया

रोहतक » मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी के आदेशानुसार तथा उपायुक्त अजय कुमार के मार्गदर्शन में जिला के सभी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालयों में 22 अक्तूबर मंगलवार से सुबह 9 से 11 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में नागरिकों को विशेष तौर पर स्वामित्व योजना से संबंधित समस्याएं सुनी गई। वहीं दूसरी ओर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल ने अपने कार्यालय में पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकार द्वारा एक बार फिर से समाधान शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए है, जिसके चलते शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला में खंड स्तर पर रोहतक, कलानौर, महम, लाखनमाजरा व सांपला स्थित बीडीपीओ कार्यालयों में समाधान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में नागरिक विशेषतौर पर स्वामित्व से जुड़ी समस्याएं रख सकते हैं। उन्होंने बताया कि ये शिविर सुबह 9 बजे शुरू होंगे और 11 बजे तक चलेंगे। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन शिविरों में आने वाले नागरिकों की समस्याओं का समाधान तत्परता व समयबद्ध ढंग से करें। इस दौरान विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बाबा मस्तनाथ विवि आयुर्वेद ग्राउंड में 26 अक्टूबर को लगेगा दिवाली मेला

दिवाली मेला में व्यापारियों को भी अपनी भागीदारी निभाने का मौका मिलेगा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय आयुर्वेद ग्राउंड में 26 अक्टूबर वार शनिवार को दिवाली मेले का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय

के कुलपति डॉ एच एल वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इस का निर्णय किया गया। कुलपति डॉ. वर्मा ने कहा कि दिवाली मेले का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता और प्रतिभा को मंच प्रदान करना है, साथ ही इस आयोजन के माध्यम से स्थानीय समुदाय को भी जोड़ना है। मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति, विद्यार्थियों के उत्साह को प्रदर्शित करेगी, जो इस पर्व को और अधिक जीवंत बना देगी। सभी संकायों द्वारा विभिन्न प्रदर्शनियां और स्टाल लगाए जाएंगे, जो न केवल विद्यार्थियों की रचनात्मकता का प्रदर्शन करेंगे, बल्कि विविधता और नवाचार का संदेश भी देंगे। डॉ. वर्मा ने स्थानीय नागरिकों से अपील की कि वे मेले में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और इसे सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनाएं। इसके साथ ही, व्यापारियों को भी इस आयोजन में अपनी भागीदारी निभाने का मौका दिया गया है, ताकि वे अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित कर सकें। इस प्रकार का आयोजन दीपावली जैसे पवित्र पर्व को खास और यादगार बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जो सामूहिक उत्सव का प्रतीक बनेगा। इस दिवाली मेले का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग के अंतर्गत किया जा रहा है। मेले के लिए विश्वविद्यालय के आयुर्वेद ग्राउंड में पंडाल लगाने की व्यवस्था की गई है, जहां विभिन्न प्रदर्शनियां और स्टाल लगाए जाएंगे। वहीं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में किया जाएगा, जहां विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम उत्सव का मुख्य आकर्षण होंगे।बैठक में कुलसचिव डॉ. मनोज कुमार, अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले डॉ. नवीन कपिल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. सुधीर मालिक के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सभी संकायों के अधिष्ठाता,उप,अधिष्ठाता,अ ौर,विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। इस आयोजन को सफल और यादगार बनाने के लिए सभी ने अपने विचार और योजनाओं पर चर्चा की।

किसान आंदोलन का बदला लेना चाहती है केंद्र की भाजपा सरकार - आप

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » पंजाब की मंडियों में धान खरीद धीरे होने के कारण किसानों को हो रही दिक्कतों पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा की तीखी आलोचना की है। पार्टी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार पंजाब के किसानों से किसान आंदोलन का बदला ले रही है। 'आप' पंजाब के वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री कुलदीप धालीवाल ने कहा कि देश के इतिहास में किसी भी केंद्र सरकार ने आज तक पंजाब के साथ इतना बुरा व्यवहार नहीं किया। धालीवाल ने भाजपा को चेतावनी दी कहा कि इस तरह की घटिया राजनीति बंद करें नहीं तो बहुत महंगा पड़ेगा। पंजाब में भाजपा को इसका बहुत नुकसान होगा। आप नेता ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दोस्त अडानी को फायदा पहुंचाने के लिए जानबूझकर ऐसा किया जा रहा है, ताकि किसान पूंजीपतियों पर निर्भर हो सके। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसान मजदूर और आढ़ती परेशान हो रहे हैं लेकिन भाजपा सरकार आंखें बंद करके बैठी हुई है। उन्होंने कहा कि कि केन्द्र सरकार ने किसानों से बदला लेने के लिए जानबूझकर गोदाम खाली नहीं करवाए। हमारे अधिकारियों ने कई बार केंद्रीय अधिकारियों को पत्र लिखें। खुद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्रीय मंत्री के साथ मुलाकात की लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब के किसानों और आढ़तियों के साथ खड़ी है। हमारी पूरी कोशिश है कि किसानों के फसल का एक-एक दाना उठाया जाए। मैं किसानों को सरकार की तरफ से भरोसा देता हूं कि आपको हम नुकसान नहीं होने देंगे। केन्द्र सरकार चाहे लाख साजिशें कर ले हम उनकी साजिशें सफल नहीं होने देंगे।

देश के इतिहास में किसी भी केंद्र सरकार ने पंजाब के साथ इतना बुरा नहीं किया - मंत्री कुलदीप धालीवाल

धालीवाल ने भाजपा को दी चेतावनी, कहा - घटिया राजनीति बंद करें, नहीं तो बहुत महंगा पड़ेगा

प्रदेश सरकार जनता की अपेक्षाओं पर हर हाल में खरा उतरेगी : राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि जिस प्रकार से हरियाणा की जनता ने अपना विश्वास जताकर प्रदेश में भाजपा को पूर्ण बहुमत दिया है, उसी प्रकार से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का गठन होने के साथ ही पूरी सरकार एक्शन मोड पर काम कर रही है। स्वयं मुख्यमंत्री श्री सैनी रात को 2 बजे भी अपने मुस्कराते हुए चेहरे के साथ लोगों से मिलते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं। उन्होंने कहा कि विगत दो योजनाओं में भाजपा सरकार द्वारा किए गए जनहित के कार्यों के चलते ही प्रदेश की जनता ने तीसरी बार बीजेपी के हाथों में सरकार की बागडोर सौंपी है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में तेजी लाई जाएगी और किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतने दी जाएगी। राज्यसभा सांसद श्री जांगड़ा मंगलवार को स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारियों के साथ जिला के शहरी क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

इस दौरान डीसी अजय कुमार, नगर निगम आयुक्त डॉ ब्रह्मदत्त सिंह रंगी और संयुक्त आयुक्त नवदीप सिंह भी मौजूद रहे। राज्यसभा सांसद श्री जांगड़ा ने अधिकारियों से रोहतक नगर निगम के अलावा महम, कलानौर और सांपला नगर पालिका क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों के साथ शहरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट पेयजल व्यवस्था के अलावा कॉलोनियों के अप्रूव्ड करने और प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन की विस्तार से विस्तार से समीक्षा की। राज्यसभा सांसद ने रोहतक शहर के अलावा कलानौर, महम और सांपला के शहरी स्थानीय निकाय अधिकारियों से जानकारी ली कि उनके क्षेत्र में कितनी कालोनियां

अप्रूव्ड हो चुकी हैं और कितनी कॉलोनी का प्रस्ताव सरकार के पास में भेजा हुआ है।

शहरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पर दिया जाए विशेष जोर » समीक्षा बैठक के दौरान राज्यसभा सांसद जांगड़ा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला के सभी शहरी क्षेत्र में एक विशेष कार्य योजना बनाकर सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाए। गलियों और नालों से कूड़े-कचरे का उठान नियमित रूप से किया जाए। इसके साथ ही सफाई व्यवस्था में लगे कर्मचारियों की निगरानी की जाए ताकि कोई भी सफाई कर्मचारी अपने काम में कोताही ना बरते। उन्होंने स्थानीय काठमंडी में 8 साल पहले बनाए गए नाले की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि कहीं पर नालें पर अतिक्रमण है तो उसको हटाया जाए। दीपावली के चलते शहरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर दिया जाए ताकि बाजार में गंदगी का आलम न बने। उन्होंने कहा कि गलियों में रेत-मिट्टी या कचरे के ढेर नजर नहीं आने चाहिए।

सार्वजनिक शौचालय की सफाई नियमित रूप से हो » राज्यसभा सांसद ने शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारियों को निर्देश दिए की रोहतक के अलावा अन्य तीनों नगर पालिकाओं में बने सार्वजनिक शौचालयों की भी सफाई व्यवस्था नियमित रूप से होनी चाहिए। वहां पर नियुक्त किए गए कर्मचारियों का बाकायदा ड्यूटी चार्ट बनाया जाए और उनकी निगरानी की जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत आईटीआई प्रांगण में रिफाइनरी द्वारा किया गया कार्यक्रम आयोजित

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » पूरे देश में 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2024 तक 'सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि' की थीम के अंतर्गत सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 मनाया जाएगा। इस अवसर पर इंडियन ऑयल की पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स ने 22 अक्टूबर 2024 को आईटीआई पानीपत के छात्रों के लिए भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया। इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य छात्रों में भ्रष्टाचार के उन्मूलन के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज में सत्यनिष्ठा व ईमानदारी को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के महाप्रबंधक (सतर्कता) गौतम प्रिया ने छात्रों को संबोधित किया और उन्हें सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई।

गौतम प्रिया ने छात्रों को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिकता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया, जिससे वे समाज में सच्चाई और ईमानदारी की मिसाल बन सकें। इसके साथ ही उन्होंने सत्यनिष्ठा की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि भ्रष्टाचार जैसी बुराइयों का अंत हो सके और देश उन्नति के पथ पर आगे बढ़े। प्रतियोगिताओं में विजेताओं को उनके उत्कृष्ट विचारों और थीम पर आधारित रचनात्मकता के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। आईटीआई पानीपत के प्राचार्य कृष्ण कुमार ने इंडियन ऑयल की पानीपत रिफाइनरी के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए उनके संस्थान का चयन किया और छात्रों को नैतिकता व सत्यनिष्ठा के प्रति जागरूक किया। इस कार्यक्रम में 700 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने शब्दों एवं कला के माध्यम से सत्यनिष्ठा की संस्कृति के निर्माण पर अपने विचार व्यक्त किए। यह आयोजन नई पीढ़ी में सतर्कता, ईमानदारी और विश्वास के मूल्यों को स्थापित करने में अत्यधिक सफल रहा।

पहले दिन समाधान शिविरों में आईं 516 शिकायतें

चंडीगढ़ » हरियाणा के तमाम जिलों में मंगलवार सुबह आयोजित समाधान शिविरों में कुल 516 शिकायतें रखी गईं, जिनमें से 143 का मौके पर समाधान करने का दावा किया गया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिन शिकायतों का समाधान नहीं किया जा सका उन्हें संबंधित विभागों को भेजी गईं। शिविरों में ज्यादातर शिकायतें प्रॉपर्टी आईडी, वेंडिंग जोन, परिवार पहचान पत्र से सम्बन्धित आईं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दो दिन पूर्व समाधान शिविर आयोजित करने के आदेश निकायों को दिए थे। इसके तहत सभी अधिकारियों को सुबह नौ बजे से 11 बजे तक कार्यालयों में बैठकर लोगों की समस्याएं सुनने और समाधान करने के निर्देश हैं। - एजेंसी

हिमाचल में माइनस में पहुंचा पारा, 21 अक्टूबर सीजन की सबसे ठंडी रात

शिमला, » हिमाचल प्रदेश में ठंड का प्रकोप बढ़ रहा है। राज्य के जनजातीय क्षेत्रों के न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। खासकर पहाड़ी व उच्च पर्वतीय इलाकों में रातें ठंडी बढ़ती जा रही हैं। जनजातीय इलाकों में पारा जमाव बिंदु के नीचे चला गया है और प्राकृतिक जल स्रोतों व नदी-नालों और झरनों का पानी बर्फ में तब्दील होना शुरू हो गया है। सोमवार की रात सीजन की सबसे ठंडी रात रही। मौसम विभाग ने आगामी 28 अक्टूबर तक बारिश-बर्फबारी की संभावना से इनकार किया है। इस दौरान अधिकतम तापमान तो सामान्य बना रहेगा, लेकिन न्यूनतम तापमान में गिरावट आने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की रिपोर्ट के मुताबिक लाहौल-स्पीति जिला का ताबो सबसे ठंडा स्थल रहा, जहां न्यूनतम तापमान -1.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। - एजेंसी

यह मैराथन पिछले सभी खेल आयोजनों को फीका साबित कर देगी, क्योंकि इस मैराथन में ग्रामीण पृष्ठभूमि के खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे : डीसी दहिया

मैराथन की तैयारियों को लेकर डीसी ने की महत्वपूर्ण बैठक, अधिकारियों को सौंपी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » औद्योगिक नगरी 27 अक्टूबर को खेल के क्षेत्र में इतिहास रचने जा रही है। इस स्मरणीय पल को और अधिक शानदार व यादगार बनाने को लेकर जोर शोर के साथ तैयारियां की जा रही है। प्रशासन द्वारा इस भव्य मैराथन का आयोजन किया जाना है। उपायुक्त डॉ.वीरेन्द्र दहिया ने इस आयोजन को विशेष बनाने को लेकर मंगलवार को सभी अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली व आयोजन की जिम्मेदारियां सौंपी गई। उपायुक्त ने बताया कि खेल के क्षेत्र में यह मैराथन पूर्व के सभी खेल आयोजनों को फीका साबित कर देगी। इसी उम्मीद को लेकर प्रशासन द्वारा पूरा जोर लगाया जा रहा है। इस आयोजन में किसी भी तरह की कोई कोर कसर न बचे इस संदर्भ में बैठक में रूपरेखा तय की गई।

डीसी डॉ. वीरेंद्र दहिया ने मैराथन के संदर्भ में जानकारी देते हुए

बताया कि मैराथन में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को बेहतरीन स्पोर्टस किट उपलब्ध कराई जाएगी। एक लाख के करीब पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सभी खेल नर्सरियों के खिलाड़ियों के अलावा ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़े खिलाड़ी भी इस मैराथन का हिस्सा बनेंगे। मैराथन की वीडियोग्राफी भी की जाएगी। मैराथन को संभावित ड्रोन के माध्यम से भी कवर करने को लेकर भूमिका तैयार की जा रही। मैराथन के लिए पानी के कई स्थानों पर स्टाल लगाए जाएगें। वहीं धावकों के लिए जलपान की पूरी व्यवस्था की गई है। डॉ. वीरेंद्र दहिया ने बताया कि पूरे कार्यक्रम की कवरिंग के लिए बाहर से स्पोर्ट्स एंकरों को आमंत्रित किया गया है। जो खिलाड़ी मैराथन में भागीदारी के लिए पहुंचेंगे उनके लिए धर्मशालाओं, मंदिरों में ठहरने की विशेष व्यवस्था की जाएगी। मैराथन के लिए 200 एथलेटिक्स प्रशिक्षक की ड्यूटियां लगाई गई है। उपायुक्त ने बताया कि संभवतः यह आयोजन सेक्टर 13-17/ पुलिस लाइन में किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि धावकों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आधा दर्जन के करीब एंबुलेंस का सहयोग लिया जाएगा। जो मुस्तैदी से चयनित स्थान पर उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि गांव स्तर के धावकों को मैराथन स्थल तक पहुंचने के लिए परिवहन विभाग की बसें सहयोग करेंगी। इसको लेकर संबंधित विभाग व स्कूलों के प्रबंधकों को सूचित किया जा चुका है। ये सभी बसें खंड विकास पंचायत कार्यालय में 27 अक्टूबर को सुबह 4 बजे पहुंच जाएगी। जहां से धावकों को लेकर मैराथन स्थल पर पहुंचेगी।

डीसी ने बताया कि मैराथन को सफल बनाने के लिए उद्योगपतियों से सहयोग लिया जाएगा। जो उद्योगपति अच्छा सहयोग करेंगे उनके संस्थान के किट पर लोगो भी लगाए जाएगें। उनके मैराथन स्थल पर स्टॉल लगाने के लिए अलग से स्थान निर्धारित किया जाएगा। इस मौके पर निगम आयुक्त जैनेन्द्र सिंह छिल्लर, अतिरिक्त उपायुक्त डॉ.पंकज, एसडीएम ब्रह्म प्रकाश, एसडीएम समालखा अमित कुमार, एसडीएम इसराना ज्योति मित्तल, सीटीएम टीनू पोसवाल, डीएसपी ट्रैफिक सुरेश सैनी, डीएसओ धर्मेन्द्र, जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बूरा, राहगीरी के संयोजक एडवोकेट संदीप जिंदल आदि मौजूद रहे।

21 किलोमीटर की मैराथन में प्रथम विजेता को मिलेंगे 1 लाख 21 हज़ार रुपए

उपायुक्त डॉ वीरेंद्र दहिया ने बताया कि 21 किलोमीटर की मैराथन में प्रथम विजेता को 1.21 लाख, द्वितीय को एक लाख, तृतीय को 75 हजार, चतुर्थ को 21 हजार व पंचम को 11 हजार रूपये का नगद पुरस्कार इनाम स्वरूप दिया जाएगा। इसी प्रकार 10 किलोमीटर के प्रथम विजेता को 1 लाख, द्वितीय को 75 हजार, तृतीय को 51 हजार, चतुर्थ को 21 हजार व पंचम को 11 हजार रूपये का नगद इनाम दिया जाएगा। डीसी ने बताया कि इस मैराथन को यादगार बनाने के लिए आल इंडिया रेडियो, यूट्यूब, मल्टीप्लेक्स, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, केबल, एफएम रेडियो पर भी जानकारी दी जाएगी ताकि ज्यादा से ज्यादा धावक इस मैराथन का हिस्सा बन सके। मंडियों में भी किसानों को व खेल नर्सरियों को भी मैराथन के संदर्भ में सूचित किया जाएगा।

मुख्य समाचार

अग्रवाल महिला संगठन द्वारा आयोजित निजि होटल में दीवाली मिलन समारोह सदस्यों के द्वारा बड़े हर्ष उल्लास से मनाया गया

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » जिसमें संगठन के 110 सदस्यों ने भाग लिया। सभी समारोह में आने वाले अतिथियों व सदस्यों का केसर की टीका लगाकर स्वागत किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया समारोह के मुख्य अतिथि सरोज जैन, निधि जैन व राजीव जैन, वशिष्ट अतिथि ममता जैन व प्रधान मंजू गर्ग ने भगवान गणेश जी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर दीवाली मिलन समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सदस्यों के द्वारा कई सारे गेम खेलेगे और डांस कम्पटीशन भी किया गया और सभी भाग लेने वाले सदस्यों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वालीबुड के गानों पर सदस्यों द्वारा मनमोहक कार्यक्रम की प्रस्तुति कर सबको डांस करने पर मजबूर कर दिया और सभी सदस्यों ने पंजाबी सांग, हरियाणवी, राजस्थानी, वालीबुड सांग पर जमकर डांस किया। पर कलाकारों ने सुन्दर पुस्तुति व डांस कर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया । इस अवसर पर सभी पदाधिकारी व सदस्यों ने सभी अतिथियों को बैज, पटका, मोती की माला व फूलों के बुके, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर संतोष शर्मा, शुल, अर्चना, सुनिता, सोनिया, मीनू, ममता, सविता, राजवंती, डिंकी, मोनिका आदि मौजूद थी।

जाट में एनसीसी कैडेट्स की रैंक सेरेमनी

देश सेवा का जज्बा पैदा करती है एनसीसी : प्रधान दिमाना

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » जाट कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स के लिए रैंक सेरेमनी का आयोजन किया गया। सेरेमनी में मुख्य अतिथि प्रशासनिक अधिकारी कर्नल मनबीर सिंह धनखड़ और जाट शिक्षण संस्था के प्रधान श्री गुलाब सिंह दिमाना और महासचिव नवदीप सिंह (मोनू) विशिष्ट अतिथि रहे। सभी आंगतुकों का स्वागत प्राचार्या डॉ. शबनम राठी व एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. विवेक दांगी ने किया। मंच संचालन डॉ. मीतू भारती ने किया। रैंक सेरेमनी के दौरान कर्नल मनबीर सिंह धनखड़ ने सेना में की गई सेवाओं को साझा करते हुए उन्होंने कैडेट्स से आह्वान किया कि वे कड़ी मेहनत और अनुशासन में रहते हुए जीवन की प्रत्येक ऊंचाईयों को पा सकते हैं। साथ ही उन्होंने कैडेट्स को समय प्रबंधन का मूलमंत्र भी देते हुए कहा कि देश सेवा हो, पढ़ाई हो या खेल हो प्रत्येक क्षेत्र में मन लगाकर कार्य करें। उन्होंने कैडेट्स को आगे बढने का आशीर्वाद देते हुए टीम वर्क की भावना के साथ कार्य करने को प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि प्रधान श्री गुलाब सिंह दिमाना ने सभी का धन्यवाद करते हुए कैडेट्स से आह्वान किया कि एनसीसी अनुशासन के साथ देश सेवा का जज्बा पैदा करती है और जीवन में हमेशा आगे बढने को प्रेरित करती है। उन्होंने कर्नल मनबीर सिंह धनखड़ से अपील की कि वे संस्था में एनसीसी की सीटों को और बढ़वाने के कार्य में सहयोग करें। कॉलेज प्राचार्या डॉ. शबनम राठी ने एनसीसी में रैंक प्राप्त करने पर कैडेट्स को बधाई दी और कहा कि एनसीसी कैडेट्स हमेशा अनुशासन में रहकर सभी प्रकार के देश सेवा के कार्यों में अग्रणीय भूमिका में रहते हैं। एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. विवेक दांगी ने कहा कि कैडेट्स गौरव कादियान, सन्नी नांदल, मनीष, विनय को सार्जेंट के पद से नवाजा गया। वहीं कैडट्स जतीन को अंडर ऑफिसर, आलोक व अंशु को सीनियर अंडर ऑफिसर की रैंक से नवाजा गया। इस अवसर पर एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. विवेक दांगी, डॉ. मीतू भारती, डॉ. लक्ष्मी, डॉ. नीरा, डॉ. महिमा, डॉ. रीतू, डॉ. शीशपाल राठी सहित सभी एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे।

स्नैचिंग की वारदातों में शामिल रहा आरोपी गिरफ़्तार

आरोपी से स्नैचिंग की चार वारदातों का खुलासा

रोहतक » पुलिस की सीआईए-1 स्टाफ की टीम ने स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ़्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी से स्नैचिंग की चार वारदातों का खुलासा हुआ है। आरोपी को पेश अदालत कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। प्रभारी सीआईए-1 स्टाफ़ निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि मॉडल टाउन निवासी पूजा की शिकायत के आधार पर थाना सिविल लाइन मे अभियोग अंकित किया गया प्रारंभिक जांच मे सामने आया कि दिनांक 6 सितंबर 2022 को पूजा मॉडल टाउन में पैदल जा रहे थे तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आये और पूजा के गले से सोने की चेन छीनकर मौक़े से फ़रार हो गए। मामले की जांच सीआईए-1 स्टाफ स.उप.नि विनोद दलाल द्वारा अमल मे लाई गई। दौराने जांच दिनांक 21.10.2024 को आरोपी अमन पुत्र राजकुमार निवासी किला मौहल्ला हाल रैनकपुरा को गिरफ़्तार किया गया है।

राजेश खुल्लर के सी पी एस नियुक्ति के पुनः आदेश

सीएम के प्रधान सचिव पद पर केंद्र से आ सकते है श्यामल मिश्र

नईम खान, पब्लिक एशिया

चंडीगढ़, » सेवानिवृत आईएएस अधिकारी राजेश खुल्लर को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का मुख्य प्रधान सचिव नियुक्त करने के आदेश जारी कर दिए गए है। मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने संशोधित नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। खुलकर की नियुक्ति मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की तिथि 17 अक्तूबर से ही लागू होगी। पूर्व में18 अक्तूबर को खुल्लर को कैबिनेट मंत्री के दर्जे के साथ मुख्य प्रधान सचिव नियुक्त किया गया था। लेकिन चार घंटे बाद ही इन आदेश पर रोक लगा दी गई थी।इस बीच यह भी खबर है कि अभी केंद्र में तैनात हरियाणा कैडर के आई ए एस श्यामल मिश्र सी एम ओ में उमा शंकर के स्थान पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नियुक्त किए जा सकते है। उमा शंकर को हाल में परिवहन सचिव नियुक्त किया गया है।

कुछ मंत्रियों के अलावा कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की आपत्ति के चलते नायब सरकार को सी पी एस का कैबिनेट दर्जा वापस लेना पड़ा। कुछ मंत्रियों ने यह तर्क दिया था कि कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिलने के बाद खुल्लर उनके समकक्ष हो जाएंगे। इतना ही नहीं, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और सभी विधायक भी उनके मातहत हो जाएंगे। वहीं प्रोटोकॉल के हिसाब से विधायक का दर्जा प्रदेश के मुख्य सचिव से भी ऊपर है।

राज्य में नौकरशाही में सबसे बड़ा पद मुख्य सचिव का होता है। प्रदेश में कार्यरत आईएएस के अलावा प्रदेश सिविल सर्विस के अधिकारी भी मुख्य सचिव के अधीन आते हैं। नौकरशाही ने कैबिनेट दर्जा देने पर इसलिए आपत्ति जताई, क्योंकि ऐसा होने की सूरत में प्रदेश के मुख्य सचिव भी मुख्य प्रधान सचिव के अधीन आ जाएंगे। इसी के चलते 18 अक्तूबर को रात 8 बजे जारी किए गए आदेशों के रात 12 बजे रोक दिया गया। अब सोमवार की देर रात करीब 12 बजे मुख्य सचिव की ओर से खुल्लर की नियुक्ति के नये आदेश जारी किए गए। इन आदेशों में स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री के कार्यकाल या आगामी आदेशों तक राजेश खुल्लर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के पद पर बने रहेंगे। सूत्रों का कहना है कि राजेश खुल्लर की नियुक्ति हाईकमान के स्तर पर हुई है। केंद्रीय नेतृत्व को लगता है कि खुल्लर के रहते सीएमओ (मुख्यमंत्री कार्यालय) ने अच्छे से काम किया है। इसी वजह से उन पर फिर से भरोसा जताया गया है।

अक्तूबर-2014 में जब मनोहर लाल खट्टर पहली बार प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे उस समय संजीव कौशल को मुख्यमंत्री का प्रधान सचिव बनाया गया था। लगभग एक वर्ष के बाद संजीव कौशल की जगह राजेश खुल्लर का प्रवेश सी एम ओ में हुआ और वे प्रधान सचिव बने। खुल्लर 15 नवंबर, 2015 से 30 अक्तूबर, 2020 तक मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव पद पर रहे। इसके बाद उनकी नियुक्ति वर्ल्ड बैंक में हो गई। लगभग ढाई वर्षों तक अमेरिका में उनकी पोस्टिंग रही। इसके बाद वे फिर से हरियाणा लौट आए और एफसीआर तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव रहे। खुल्लर जब अमेरिका गए तो उस समय सरकार ने सीएमओ में मुख्य प्रधान सचिव का नया पद सृजित करते हुए सेवानिवृत्त आईएएस डीएस ढेसी को सीएम का मुख्य प्रधान सचिव बनाया गया। 31 अगस्त, 2023 को आईएएस सेवाओं से रिटायर हुए खुल्लर के सरकार ने अगले ही दिन ढेसी की जगह मुख्यमंत्री का मुख्य प्रधान सचिव नियुक्त कर दिया।

इसके बाद 12 मार्च के जब मनोहर लाल की जगह नायब सिंह सैनी को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया तो खुल्लर नायब सिंह सैनी के साथ भी इसी पद पर बने रहे। अब एक बार फिर उन्हें मुख्य प्रधान सचिव बनाया गया है। सीएमओ के पूर्ण प्रभारी भी पहले की तरह राजेश खुल्लर ही रहेंगे। केंद्र में लंबे समय तक प्रतिनियुक्ति पर रह चुके खुल्लर आईआईटी, नई दिल्ली से एमटैक हैं। 1987 में उनका चयन आईपीएस के तौर पर हुआ था। उन्हें महाराष्ट्र कैडर मिला लेकिन 1988 में वे आईएएस बन गए।

नगर निगम ने समाधान शिविर लगाकर सुनी नागरिकों की समस्याएं

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार स्थानीय नगर निगम कार्यालय में मंगलवार को समाधान शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें नगर निगम आयुक्त ब्रह्मजीत सिंह रांगी, संयुक्त आयुक्त नवदीप सिंह, डीएमसी एवं नोडल अधिकारी जितेंद्र कुमार ने नगर निगम, रोहतक व नगर पालिका महम/सांपला कलानौर में सचिवो ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। समाधान शिविर में नागरिक प्रोपर्टी आईडी, हाउस टैक्स, जन्म प्रमाण पत्र, पानी निकासी आदि विभिन्न प्रकार की समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनका अधिकारियों ने समाधान किया।

आज नगर निगम, रोहतक व नगर पालिका महम/सांपला/कलानौर में कुल 11 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 6 का मौके पर समाधान करवाया गया तथा शेष आवेदन इसलिए लंबित रहे क्योकि सम्पत्ति से सम्बन्धित मामलो में अन्य व्यक्तियो का भी हिस्सा था जिनको नोटिस देकर कार्यालय में बुलाकर उनका समाधान जल्द ही किया जायेगा। अधिकारियों ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारी नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर हैं। नागरिक समाधान शिविरों के माध्यम से अपनी समस्या का समाधान करवा सकते हैं। नगर निगम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में हिसार बाईपास से जेपी कालोनी से जयदत्त ने बताया कि उनका 150 गज प्लाट है, लेकिन प्रोपर्टी आईडी 100 और 50 गज की बनाई हुई है, जबकि रजिस्ट्री एक है। इसी प्रकार से आजाद नगर निवासी महेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी नेहा के नाम 22 दुकान की रजिस्ट्री है और यह 2022 तक 22 गज की ही थी, लेकिन अब टैक्स 180 गज का आने लगा है। समाधान शिविर में पहुंचे हिसार रोड श्याम कालोनी से बताया कि दो प्लाट हैं, जिसमें 100 गज का प्लाट फूला रानी के नाम है और 95 गज का प्लाट बीना के नाम है, ये प्लाट इंडस्ट्रियल एरिया में हैं। अधिकारियों को बताया कि दोनों प्लाट का टैक्स फूला रानी के नाम आता है और वह भी व्यवसायिक श्रेणी का आता है, जो कि गलत है।

भाजपा विधायक दल की बैठक कल,स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के नाम तय किए जाएंगे

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के नव निर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण के लिए 25अक्टूबर को सदन का सत्र आहूत करने से पहले 24अक्टूबर को में भाजपा ने विधायक दल की मीटिंग बुला ली है। विधायक दल की इस मीटिंग में ही स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का चयन किया जाएगा। भाजपा विधायकों की यह मीटिंग चंडीगढ़ स्थित सीएम आवास संत कबीर कुटीर में होगी।

स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पदों के लिए चुने जाने वाले विधायको के नाम सीएम नायब सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन बड़ौली दिल्ली से मंजूर करवा चुके हैं। दोनों ही नेता मंगलवार को 2 दिन के दिल्ली दौरे पर रहे। स्पीकर पद के चुनाव में भाजपा यह भी देख रही है कि कोई ऐसा जिला सरकार में प्रतिनिधित्व से वंचित न रह जाए, जिसकी पार्टी को बहुमत दिलाने में बड़ी भूमिका रही हो। इस लिहाज से करनाल के घरौंडा से विधायक हरविंदर कल्याण का नाम स्पीकर पद के लिए सबसे आगे माना जा रहा है। हालांकि लगातार तीसरी बार जीते लेकिन मंत्रीपद से चूके मूलचंद शर्मा भी इस दौड़ में माने जा रहे हैं।

स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का चुनाव 25 अक्टूबर को विधानसभा सत्र के दौरान किया जाएगा। चयन प्रक्रिया के अनुसार एक विधायक नाम प्रस्तावित करेगा और बाकी विधायक उस नाम को अनुमोदित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री चयनित स्पीकर को विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाएंगे। इसी दौरान ही डिप्टी स्पीकर के नाम का भी ऐलान किया जाएगा।

सी एम नायब सैनी ने मंगलवार को एस सी आरक्षण में वर्गीकरण की घोषणा पर डी एस सी समाज के सदस्यों से चंडीगढ़ स्थित सीएम आवास पर मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हुए एस सी कोटा वर्गीकरण के फैसले को लागू करने वाला हरियाणा पहला प्रदेश है।

भाजपा करनाल और जींद जिले से स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पद के लिए नाम चुन सकती है। अभी तक दोनों जिलों से किसी विधायक को मंत्री नहीं बनाया गया है। दोनों जिलों में जुलाना विधानसभा को छोड़ दिया जाए तो सभी सीटों पर भाजपा के विधायक हैं, मगर मंत्रिमंडल में किसी को जगह नहीं मिल पाई है।ऐसे में करनाल की घरौंडा सीट से तीसरी बार जीतकर आए हरविंद्र कल्याण को स्पीकर और जींद सीट से जीते पंजाबी चेहरे कृष्ण मिड्ढा को डिप्टी स्पीकर बनाया जा सकता है। इसी तरह मूलचंद शर्मा और रामकुमार गौतम सहित अन्य नामों पर भी चर्चा की जा रही है। हरविंद्र घरौंडा सीट से लगातार तीसरी बार जीतकर विधायक बने हैं। ये रोड समाज से आते हैं। रोड समाज को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल पाई। हरविंद्र की गिनती पूर्व सी एम और अब केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के करीबियों में होती है।भाजपा को करनाल जिले की सभी 5 सीटों पर जीत मिली है। पानीपत में भी पार्टी ने 4 सीटें जीतीं। पानीपत से 2 मंत्री बनाए गए हैं। मगर, 5 सीटों वाले करनाल जिले से किसी को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। जींद विधानसभा सीट से कृष्ण लाल मिड्ढा ने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है। भाजपा ने अभी सिर्फ एक पंजाबी चेहरे अनिल विज को मंत्रिमंडल में शामिल किया है। पिछले मंत्रिमंडल में 2 पंजाबी चेहरे थे।जींद और हिसार में 2 पंजाबी चेहरे चुनाव जीते। जिसमें कृष्ण मिड्ढा और विनोद भयाना शामिल हैं। दोनों ही मनोहर लाल के नजदीकी माने जाते हैं। हिसार से रणबीर गंगवा कैबिनेट में शामिल किए गए हैं, इसलिए कृष्ण मिड्ढा का नाम डिप्टी स्पीकर पद के लिए आगे है। विधानसभा में सबसे सीनियर विधायक डॉ. रघुवीर कादियान को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। रघुवीर कादियान विधानसभा के स्पीकर रह चुके हैं। 25 अक्टूबर को सुबह 10 बजे राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय उन्हें प्रोटेम स्पीकर की शपथ दिलाएंगे।

दीपावली के मध्यनजर पुलिस अधीक्षक ने राजपत्रित अधिकारियों व प्रभारी थाना के साथ की बैठक

यातायात, पार्किंग व सुरक्षा व्यवस्था पर की विस्तार से चर्चा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » दीपावली के त्यौहार को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री हिमांशु गर्ग ने आज राजपत्रित अधिकारियों व प्रभारी थाना के साथ बैठक की है। बैठक का उद्देश्य त्योहारों पर बाजारों में यातायात, पार्किंग व सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता बंदोबस्त करना है। बैठक में एएसपी वाए. एन. आर. शशिशेखर, उप पुलिस अधीक्षक रवि खुंडिया, उप पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र, प्रभारी थाना ट्रैफिक व शहर रोहतक मे स्थित सभी थाना के प्रभारी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक श्री हिमांशु गर्ग ने बताया कि दीपावली के त्योहार को ध्यान मे रखते हुए लोग बाजारों में खरीदारी कर रहे है जिस कारण बाजारो में भीड़ का माहौल रहेगा। बाजारों में यातायात, पार्किंग व सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त करने की आवश्यकता है। प्रभारी थाना को दिशा निर्देश देते हुये कहा कि सड़कों पर फडी नही लगने देंगे। सडको पर अतिक्रमण/फडी लगाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज करें व सामान जब्त करें। शहर में सड़के काफी चोड़ी है लेकिन अतिक्रमण व यातायात के दबाव के कारण हर वक्त जाम की स्थिति बनी रहती है। सभी राइडर व पीसीआर निरंतर गश्त मे रहेगी जो अपने-2 एरिया में यातायात को सुचारू रूप से चलाएगे। सभी प्रभारी थाना अपने-2 एरिया में गश्त करेगे। इसके अतिरिक्त बाजारों में पुलिस गश्त बढाई जाएगी। मोटरसाइकिल पैट्रोलिंग व पैदल पेट्रोलिंग लगाई जाएगी।

व्हीकल फ्री जोन- रेलवे रोड, किला रोड, शोरी क्लोथ मार्केट व मॉडल टाउन को वाहन फ्री जोन बनाया गया है जिसके लिये झज्जर रोड़ टी प्वाईंट से कच्चा बेरी रोड़ वाया भिवानी स्टैंड, दुर्गा भवन मंदिर तक

सडक पर अतिक्रमण करने वालो के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर, सामान होगा जब्त- एसपी हिमांशु गर्ग

की सड़क को वाहन फ्री जोन बनाया गया है। जिसके लिए 11 स्थानों को चिन्हित कर नाकाबन्दी की जाएगी। नाकाबंदी करने का मुख्य उद्देश्य है वाहनो को सुबह 11 बजे से रात 11 बजे तक किला रोड, दुर्गा भवन मंदिर की तरफ नही जाने दिया जायेगा।

वाहनो के लिये रुट डायवर्ट किया गया है। झज्जर रोड टी प्वाइंट पर आने वाले वाहनो को झज्जर रोड की तरफ रवाना किया जायेगा। कच्चा बेरी रोड पर आने वाले वाहनो को माता दरवाजा, दयानंद मठ चौक, गोहाना अड्डा होते हुए अम्बेडकर चौक की तरफ रवाना किया जायेगा। इसी प्रकार अग्रसेन चौक से किसी भी वाहन को रेलवे रोड और भिवानी स्टैंड की तरफ जाने नहीं आने दिया जायेगा। रुट डायवर्जन 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक रहेगा। इन मार्केट मे आने वाले व्यकित अपने वाहन अम्बेडकर चौक से एलिवेटिड मार्ग से होते हुए महाराजा अग्रेसन पार्किंग मे अपना वाहन पार्क कर सकते है। पुराना सीनियर सेकेंडरी स्कूल हुड्डा ग्राउंड पार्किंग स्थल नजदीक पुरानी सब्जी मंडी, पुराना बस अड्डा के खाली ग्राउंड (थाना शहर के सामने), भगत सिंह पार्किंग मे अपना पार्क करेगे।

मॉडल टाउन मार्केट को भी वाहन फ्री जोन बनाया गया है। जिसके लिये 5 स्थानो को चिन्हित कर नाकाबंदी की जायेगी। डी पार्क से सोम स्वीटस चौक तक की सडक वाहन फ्री रहेगी। जिसमे किसी भी वाहन को आने जाने की अनुमति नही होगी। मॉडल टाउन मार्केट मे आने वाले व्यकित अपने वाहन मेडिकल मोड पार्किंग मे खडा करके मॉडल टाउन मार्केट की तरफ आयेगे। पार्किंग- शहर में त्योहारों को ध्यान में रखते हुए पार्किंग के बंदोबस्त किए गए है। बाजारों में खरीदारी करने आने वाले लोगो के लिए महाराजा अग्रसेन पार्किंग स्थल (एलिवेटेड रोड), पुराना सीनियर सेकेंडरी स्कूल हुड्डा ग्राउंड पार्किंग स्थल नजदीक पुरानी सब्जी मंडी, पुराना बस अड्डा के खाली ग्राउंड (थाना शहर के सामने), भगत सिंह पार्किंग किला रोड, पुराना आईटीआई ग्राउंड सर्कुलर रोड, मेडिकल मोड (दाहिनी तरफ पार्किंग स्थल), रेलवे स्टेशन पार्किंग, नेकीराम कॉलेज पार्किंग पर पार्किंग बनाई गई है। इसके अलावा पार्किंग के अन्य स्थानों बारे भी विचार किया गया है जो जिला प्रशासन से बैठक करके अन्य स्थानों पर भी अस्थाई रूप से पार्किंग बनाई जाएगी।

बाल महोत्सव का उद्देश्य बच्चों में छिपी प्रतिभा को सामने लाना और उन्हें प्रोत्साहित करना है : सुषमा गुप्ता

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » जिला बाल भवन में बाल महोत्सव के जिला स्तर के मुकाबलों का मंगलवार को समापन हो गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव सुषमा गुप्ता पहुँची वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर 'हट जा ताऊ' फेम हरियाणवी गायक विकास कुमार पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बाल कल्याण अधिकारी रितु राठी ने की।

महोत्सव के आखिरी दिन जोनल में पहुंचने के लिए बच्चों ने पूरा दमखम लगा दिया। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंची हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के मानव महासचिव सुषमा गुप्ता ने प्रेस वार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद का एकमात्र लक्ष्य प्रदेश भर के बच्चों का चहुंमुखी की विकास करना है। सुषमा गुप्ता ने कहा कि हर वर्ष बाल महोत्सव के जरिए हरियाणा भर में हजारों बच्चों को बाल भवनों में मंच दिया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चा अपना लक्ष्य निर्धारित करके चले तो उनको मंच बाल कल्याण परिषद देगा। उन्होंने बताया कि बाल महोत्सव का मकसद बच्चों में छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाकर बच्चों की हौसला अफजाई करना है। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद अनेक प्रकार की गतिविधियां चलाकर सामाजिक कार्य के कार्यों में लगा रहता है।

सुषमा गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक जिले में सिलाई कढ़ाई सेंटर, कंप्यूटर सेंटर, क्रेच (शिशु-गृह), बाल संगम ईंट भट्ठे पर स्कूल चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाल कल्याण परिषद का हमेशा से ही मकसद समाज के मुख्य धारा से कट चुके गरीब असहाय बच्चों को मुख्यधारा के साथ जोड़ना रहा है। और उसके लिए हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद उसके तमाम अधिकारी और कर्मचारी दिन रात एक कर रहे हैं। सुषमा ने कहा कि मुझे तीन महीने पहले ही हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के बतौर प्रदेश मानद महासचिव की जिम्मेदारी मिली है और मेरा एक ही लक्ष्य है कि न मैं भ्रष्टाचार करुँगी और न ही बर्दस्त करुँगी।

वहीं मानद महासचिव सुषमा गुप्ता ने छात्रों को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिकता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया, जिससे वे समाज में सच्चाई और ईमानदारी की मिसाल बन सकें। इसके साथ ही उन्होंने सत्यनिष्ठा की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि भ्रष्टाचार जैसी बुराइयों का अंत हो सके और देश उन्नति के पथ पर आगे बढ़े। जिला बाल कल्याण अधिकारी रितु राठी ने बताया कि हमारे प्रयास सफल हुए है। उन्होंने बताया कि अबकी बार पहले से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया और पहले से ज्यादा बच्चो की अच्छा स्थान आने की उम्मीद है। रितु ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की ओर अगले मुकाबलों के लिए बच्चो को शुभकामनाएं दी।

सोलो डांस रिजल्ट फोर्थ ग्रुप » प्रथम स्थान -कोड एल। द्वितीय स्थान -कोड आई। तीसरा स्थान -कोड एच। सांत्वना पुरस्कार -कोड बी।

ग्रुप डांस रिजल्ट फोर्थ ग्रुप : प्रथम स्थान- कोड ए। द्वितीय स्थान कोड सी। तीसरा स्थान- कोड के। सांत्वना पुरस्कार कोड ई।

रिजल्ट वन एक्ट प्ले ग्रुप 4 : प्रथम स्थान- कोड सी। द्वितीय स्थान कोड ई। तीसरा स्थान कोड बी। सान्त्वना पुरस्कार कोड ए।

वही कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंचे हरियाणा के जाने-माने गायक हट जाता हूं फेम विकास कुमार पहुंचे। विकास कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि कला एक साधना होती है और साधना के लिए आपको जी तोड़ मेहनत करनी पड़ेगी। विकास ने कहा कि बच्चों कभी भी मेहनत बेकार नहीं जाती मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती सफलता देर सवेर मिल ही जाती है।